संकल्प पत्र 2024

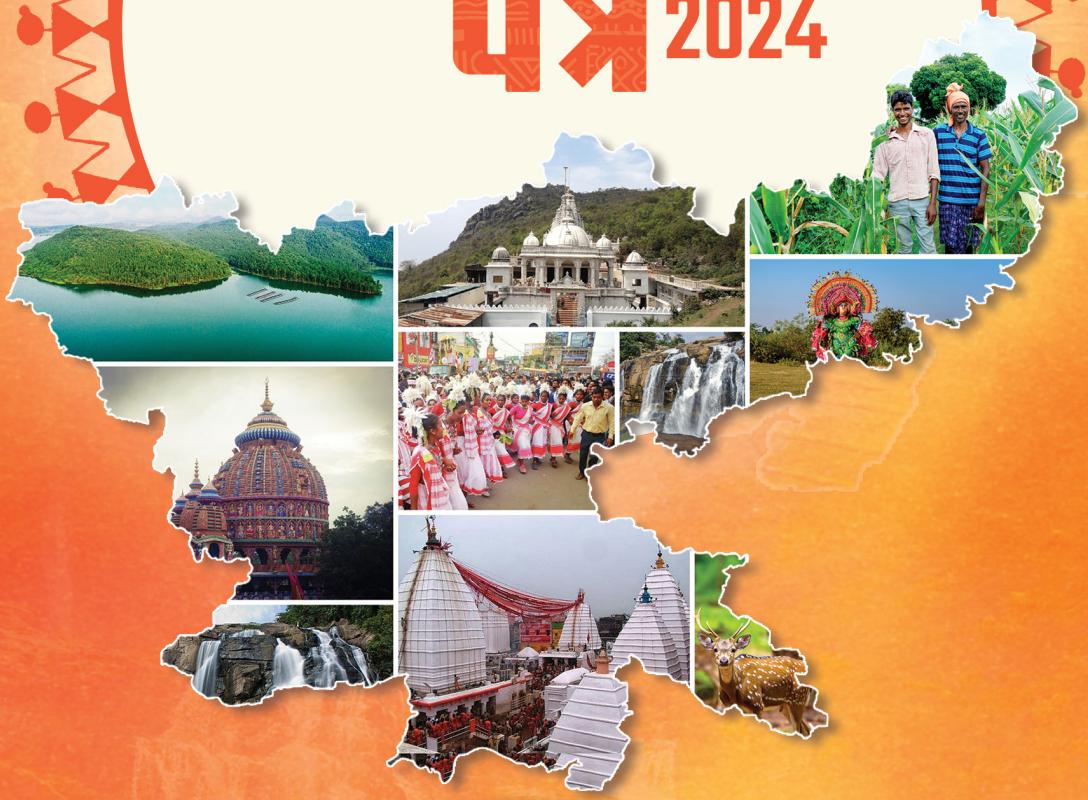

भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश

“

झारखंड के पास अपार संसाधन हैं और इसे सही दिशा में उपयोग कर राज्य की तस्वीर बदलने का मौका है।

”

स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी, पूर्व प्रधानमंत्री

“झारखंड अपनी खनिज संपदाओं के साथ-साथ जनजातीय समाज के साहस, शौर्य और स्वाभिमान के लिए सुविख्यात रहा है। यहां के मेरे परिवारजनों ने देश की उन्नति में अपना अहम योगदान दिया है।”

नरेन्द्र मोदी

संदेश

जोहार,

प्रिय झारखंड वासियों,

झारखंड प्रकृति और संस्कृति का एक अनोखा मिश्रण है। झारखंड की धरोहर इसकी जल, जंगल और जमीन, हमारे लिए केवल एक नारा नही है बल्कि हम झारखंडवासीयों की पहचान है। आजादी के बाद झारखंड राज्य के गठन के लिए हुए लंबे संघर्ष का अंत 2000 में स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के द्वारा किया गया। भाजपा एकमात्र पार्टी है जिसने झारखंड के लोगों की आकांक्षाओं को समझा है और राज्य के विकास के लिए काम किया है।

2014 में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की नई विकास यात्रा शुरू हुई। पिछले दस वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है, हम एक प्रतिष्ठित शक्ति के रूप में उभरे है। इस दौरान, गरीबों, पिछड़ों, महिलाओं और आदिवासियों के विकास में जो प्रगति हुई है, वैसी पिछले 60 वर्षों में नहीं देखी गई। 'सबका साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र के साथ भाजपा सरकार ने सभी वर्गों का विकास सुनिश्चित किया। 2014 से राज्य का जो विकास रथ आगे बढ़ा था, उसे झामुमो-कांग्रेस-राजद ने 2019 से पीछे खींच लिया है। पिछले पांच वर्षों में इस सरकार ने झारखंड के गरीबों, महिलाओं और आदिवासियों का शोषण किया है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, और बुनियादी सुविधाएं जैसे अस्पताल, बिजली और पानी अभी भी उपलब्ध नहीं हैं। बांग्लादेशी घुसपैठ से जनसांख्यिकीय परिवर्तन आदिवासी और झारखंडी अस्मिता पर एक हमला है। इस सरकार में अपराधियों और भ्रष्टाचारियों का ही विकास हुआ है।

भाजपा का यह घोषणापत्र झारखंड के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और राज्य को विकसित, समृद्ध एवं समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रस्तुत करता है। भाजपा के पुनः आगमन के साथ झारखंड में एक नए युग की शुरुआत होगी, जहाँ महिलाएँ, आदिवासी, गरीब, पिछड़े और किसान समृद्धि की ओर अग्रसर और सशक्त होंगे। हम राज्य के आदिवासियों और पिछड़ा वर्ग को उनका हक दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और छोटानागपुर टेनन्सी ऐक्ट (सी.एन.टी) तथा संथाल परगना टेनन्सी ऐक्ट (एस.पी.टी) को सख्ती से लागू करेंगे। इसके साथ ही, हम केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का और बेहतर कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगे। हम झारखंड का पूर्ण विकास और झारखंडी अस्मिता की रक्षा के लिए संकल्पित हैं।

झारखंड के प्रिय भाइयों और बहनों से यह अपील करता हूँ कि आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को वोट देकर एक बार फिर से झारखंड को विकास की राह पर ले चलें।

जय झारखंड! जय हिंद।

बाबूलाल मरांडी
प्रदेश अध्यक्ष,
भाजपा झारखंड

संदेश

जोहार,

प्रिय झारखंड वासियों,

हमारी धरती, जो न केवल प्राकृतिक सौंदर्य बल्कि संस्कार, संस्कृति और संघर्ष का प्रतीक है, आज बदलाव की ओर एक निर्णायक कदम बढ़ाने की प्रतीक्षा कर रही है। झारखंड के गठन के 25 वर्षों में झारखंडवासियों ने तमाम उम्मीदें और सपने संजोए थे, परंतु कुशासन, शोषण और राजनीति के खेल ने हमारी जनता की आकांक्षाओं का गला घोंटने का काम किया।

आज हमारा झारखंड बदलाव चाहता है, एक नई दिशा की तलाश में है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर, हम भाजपा के 25 संकल्पों के साथ आपके समक्ष उपस्थित हैं—संकल्प जो झारखंड को समृद्धि, सुरक्षा, और सम्मान की राह पर अग्रसर करेंगे। यह केवल एक संकल्प पत्र नहीं है, बल्कि आपके लिए एक बेहतर झारखंड का रोडमैप है—जहां हर नागरिक, हर आदिवासी, हर महिला, और हर युवा को अपनी पहचान और आत्मनिर्भरता का एहसास हो सके।

हम झारखंड की धरोहर, हमारे जल-जंगल-जमीन को बचाने और उनकी रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। हम शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार में क्रांतिकारी सुधार लाएंगे, ताकि हमारे युवाओं को रोजगार के लिए अपने घर से बाहर जाने की जरूरत न पड़े। हमारी सरकार का हर कदम झारखंड वासियों की तरक्की और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठेगा। महिलाओं को सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और हर झारखंडवासी को सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएँ देना हमारी प्राथमिकता होगी। झामुमो के कुशासन ने हमारे संसाधनों और युवा शक्ति को अवरुद्ध कर रखा है, लेकिन अब समय आ गया है एक ऐतिहासिक परिवर्तन का। भाजपा की नई सिद्धि और हमारा संकल्प इस धरती को उसका खोया हुआ गौरव वापस दिलाएगा। हमारी समृद्ध खनिज संपदा, विशाल औद्योगिक क्षमता और सर्वोपरि - हमारी ऊर्जावान युवा पीढ़ी, ये सब मिलकर झारखंड को विकास के नए शिखर तक ले जाएंगे।

हमारा संकल्प पत्र हर झारखंडवासी की आकांक्षाओं का दर्पण है। हम महिला सशक्तिकरण और आदिवासी विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देकर हम एक नए झारखंड का निर्माण करेंगे - जहां हर नागरिक समृद्ध हो, हर युवा रोजगार युक्त हो, और हर आंख में विकास का सपना हो। यह संकल्प पत्र मात्र एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आपके उज्जवल भविष्य का मार्गदर्शक है। इस बदलाव में आपकी भागीदारी ही झारखंड को उसकी असली पहचान दिलाएगी।

जय झारखंड, जय हिंद!

डॉ. रविन्द्र कुमार राय
कार्यकारी अध्यक्ष,
भाजपा झारखंड

संदेश

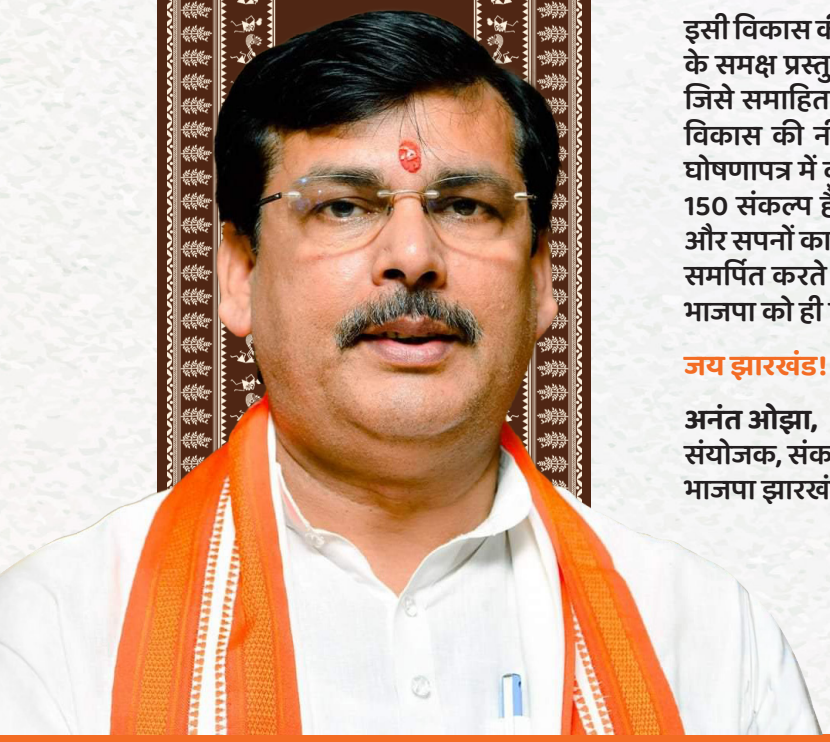

जोहार,

प्रिय झारखंड वासियों,

झारखंड भारत का एक ऐसा राज्य है, जो संसाधनों से भरपूर है और आर्थिक समृद्धि की अपार क्षमता रखता है। झारखंड की जल, जंगल और जमीन हमारी धरोहर और हमारी अस्मिता का मूल है, और इसकी सुरक्षा करना भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

झामुमो सरकार के राज में झारखंड वासियों को अपनी अस्मिता की सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इंडी गठबंधन की शह की वजह से संथाल परगना में खुलकर बंगलादेशी घुसपैठियों को बसाया जा रहा है, आज क्षेत्र में आदिवासियों की आबादी 44% से घटकर 28% हो गई है। 5 लाख नौकरियों को देने के दावा करके सरकार में आई इंडी गठबंधन ने युवाओं को सिर्फ धोखा दिया है। इस सरकार ने परीक्षाओं में पेपर लीक और घोटाले कर बेरोजगार युवाओं को आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया है। बीते 5 वर्षों में महिलाएँ, आदिवासी, गरीब, पिछड़े और हर वर्ग का केवल शोषण हुआ है। इस अराजकता के अंधेरे में, अगर कोई आशा की किरण है तो वह केवल भाजपा है।

भाजपा जो कहती है वो करती है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहे भारत का विकास है। भाजपा ने जो कहा है वही किया है। आज भारत विश्वगुरु के रूप में उभर रहा है, विश्व की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और पिछड़ा, दलित और आदिवासी वर्ग आज विकास की मुख्यधारा का हिस्सा बनकर हर क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मोदी की गारंटी, विकसित और प्रगतिशील भारत की गारंटी है।

इसी विकास की गारंटी देते हुए हम यह घोषणा पत्र झारखंड की देवतुल्य जनता के समक्ष प्रस्तुत कर रहे है। झारखंड राज्य को बने 25 साल पूरे होने जा रहे है जिसे समाहित करते हुए हम 25 प्रमुख वादे कर रहे हैं जो झारखंड के सम्पूर्ण विकास की नींव रखेंगे। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं वर्षगांठ मनाते हुए घोषणापत्र में कुल 150 वादे हैं जो कि झारखंड के विकास हेतु लिए गए हमारे 150 संकल्प हैं। भाजपा का घोषणा पत्र राज्य के प्रत्येक व्यक्ति की आशाओं और सपनों का सच्चा प्रतिबिंब बनकर निखरा है। हम इसे झारखंड के लोगों को समर्पित करते हैं, और हमें उम्मीद है कि आप इन सपनों को पूरा करने के लिए भाजपा को ही जिताएंगे।

जय झारखंड! जय हिंद।

अनंत ओझा,
संयोजक, संकल्प पत्र समिति
भाजपा झारखंड

संकल्प पत्र समिति सदस्य

- श्री बाबूलाल मरांडी
  (प्रदेश अध्यक्ष)
- श्री अनंत ओझा
  (विधायक एवं संयोजक संकल्प पत्र समिति)
- श्री अर्जुन मुंडा
  (पूर्व मुख्यमंत्री)
- श्री अमर कुमार बाउरी
  (नेता प्रतिपक्ष)
- श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
  (केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार)
- श्री संजय सेठ
  (केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार)
- श्री बी.डी. राम
  (सांसद)
- श्री भानू प्रताप शाही
  (विधायक)
- श्री नवीन जयसवाल
  (विधायक)
- श्रीमती गीता कोड़ा
  (पूर्व सांसद)
- श्री अमित मंडल
  (विधायक)
- श्री रविनाथ किशोर
  (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश संयोजक पार्टी प्रकाशन)
- डॉ राजश्री जयंती
  (पूर्व प्रदेश सह प्रशिक्षण प्रभारी)

उन्नत झारखंड
संकल्प से सिद्धि तक

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध और सांस्कृतिक धरोहरों से सम्पन्न झारखंड की पावन भूमि ने देश को भगवान बिरसा मुंडा जैसे महानायक और फूलो-झानो जैसी वीरांगनाएं दी। 15 नवंबर 2000 को झारखंड का निर्माण स्वर्गीय श्री **अटल बिहारी वाजपेयी जी के महान सपने का परिणाम था।** उनका संकल्प था कि झारखंड एक सशक्त, समृद्ध और विकासशील राज्य बने, जहां प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग हो और हर वर्ग को समान अवसर मिले।

पिछले पांच वर्षों में **"भ्रष्टाचार बढ़ाओ, भ्रष्टाचारी बचाओ"** की नीति ने झारखंड को लूट-खसोट और अवैध खनन का अड्डा बना दिया है। अब समय आ गया है कि इस चढ़ावे की संस्कृति और घोटालों से राज्य को मुक्त किया जाए। विकास की गति रुक गई है और राज्य को उस ऊंचाई तक ले जाना जरूरी हो गया है, जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था।

अब, जब झारखंड अपनी 25वीं वर्षगांठ की ओर बढ़ रहा है, भारतीय जनता पार्टी इसे विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हम झारखंड के **25 वर्षों के सम्मान में 25 वादों** के साथ राज्य के प्रमुख वर्गों और समुदायों के कल्याण के लिए काम करेंगे। इनमें रोजगार सृजन, कृषि और ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और आदिवासी तथा सांस्कृतिक सम्मान को प्राथमिकता दी जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी "पंच कर्म संकल्प" - **नारी शक्ति, आदिवासी उत्थान, सशक्त युवा, उन्नत झारखंड और झारखंड अस्मिता** के माध्यम से राज्य को फिर से गौरवशाली बनाएगी। इसके साथ ही हम राज्य के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नायकों को भी संरक्षित करेंगे, ताकि उनकी धरोहर आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहे। अब परिवर्तन का संकल्प और हमारे आदर्शों का प्रतिबिम्ब जन-जन की आवाज बन गया है, गली-गली गूंज रही है - **"रोटी, बेटी, माटी की पुकार - झारखंड में भाजपा सरकार"!**

हम झारखंड के हर नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर एक नए युग की शुरुआत करेंगे। यह घोषणा पत्र हर झारखंडवासी को आह्वान करता है कि वे हमारे साथ मिलकर **एक सशक्त और समृद्ध झारखंड का निर्माण** करें, जो सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

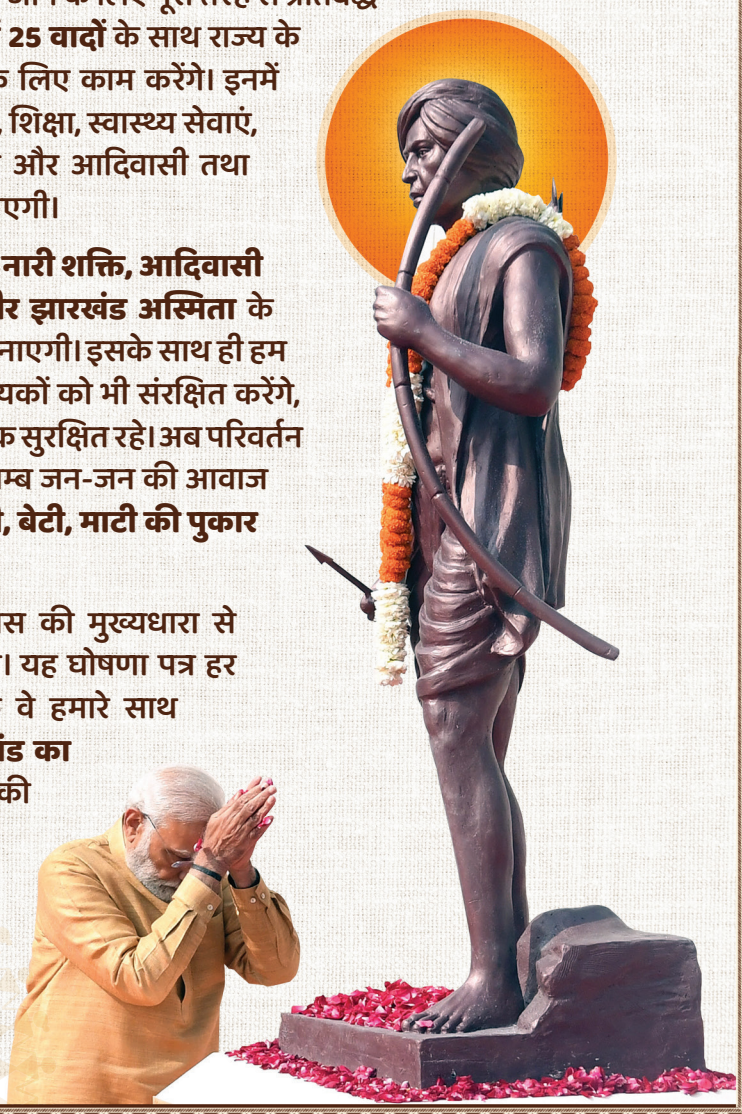

विषय सूची

	प्रमुख 25 वादे	10
01	सशक्त नारी, पहचान हमारी	16
02	युवाओं के अरमान, भरेंगे उड़ान	18
03	झारखंड की शक्ति, समृद्ध आदिवासी संस्कृति	22
04	जन-जन का विश्वास, पूरी होगी सबकी आस	24
05	समृद्ध किसान, हमारी पहचान	26
06	भाजपा का प्रण, सेवा और सुशासन	30
07	श्रम का सम्मान, झारखंड का उत्थान	32
08	स्वास्थ्य और पोषण - झारखंड का उज्ज्वल कल	34
09	शिक्षा का अधिकार, विकसित झारखंड का आधार	36
10	हमारा प्रयास, समावेशी और चहुंमुखी विकास	38
11	शहरी और ग्रामीण विकास - हर क्षेत्र की समृद्धि	40
12	विकास की डोर, शिखर की ओर	42
13	खनिज के भंडार, खोलेंगे समृद्धि के द्वार	46
14	झारखंड का गौरव, सुरक्षित और संरक्षित धरोहर	48
15	पर्यटन बढ़ाएंगे, खुशहाली लाएंगे	50
16	हरे-भरे होंगे वन, सुरक्षित जीवन	52
17	समाज का उत्थान, सशक्त झारखंड का निर्माण	54
	भाजपा की उपलब्धियां	58
	झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप	68

झारखंड के भाजपा के 25 साल पर संकल्प

1

हम **'गोगो दीदी योजना'** के माध्यम से हर महीने की 11 तारीख को झारखंड की सभी महिलाओं के बैंक खाते में ₹2,100 प्रदान करेंगे।

2

हम राज्य के सभी परिवारों को **₹500 में एलपीजी गैस सिलेंडर** और **साल में दो मुफ्त सिलेंडर** प्रदान करेंगे।

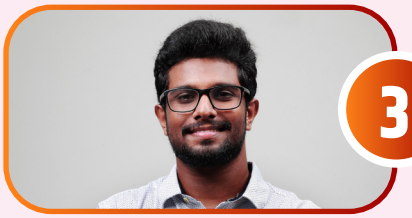

3

हम **5 वर्षों** के भीतर झारखंड के युवाओं के लिए **5 लाख स्वरोजगार** के अवसर सृजन करेंगे। इसके अलावा **2,87,500 सरकारी पदों** पर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से भर्ती सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए:

- पहली कैबिनेट बैठक में भर्ती की प्रक्रिया शुरू करेंगे और **नवंबर 2025 तक 1.5 लाख पदों पर भर्ती की प्रक्रिया** पूरी करेंगे।
- सभी परीक्षाओं के लिए एक **वार्षिक कैलेंडर** प्रस्तुत करेंगे।
- **हर साल 1 लाख झारखंडी युवाओं** के लिए स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।

4

हम झारखंड के हर स्नातक और स्नातकोत्तर युवा, जो अपना करियर बनाने के लिए संघर्षरत हैं, उन्हें दो वर्षों की अवधि के लिए प्रति माह **₹2,000 'युवा साथी' भत्ता** प्रदान करेंगे।

5

हम झामुमो सरकार में व्याप्त वर्षों के कुशासन को खत्म करेंगे और **सभी के लिए आवास** सुनिश्चित करेंगे:

- हम झारखंड के प्रत्येक नागरिक को **घर बनाने के लिए निःशुल्क बालू उपलब्ध** कराएंगे।
- **21 लाख घरों के लिए पीएम आवास योजना** का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगे, जिसमें **प्रति घर ₹1 लाख की बढ़ी हुई वित्तीय सहायता भी शामिल होगी।**
- **2027 तक जल जीवन मिशन** के पूर्ण कार्यान्वयन के माध्यम से **शेष 59 लाख घरों** में नल जल कनेक्शन प्रदान करेंगे।

झारखंड के भाजपा के 25 साल पर संकल्प

6

हम झारखंड में सरकारी पदों पर **नियुक्ति में पारदर्शिता और अभ्यर्थियों को न्याय** सुनिश्चित करने के लिए:

- **जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करेंगे** और पूर्वगत सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच कराएंगे।
- **सभी प्रमुख पेपर लीक,** विषेशकर पीजीटी, लैब असिस्टेंट, एवं 11वीं जेपीएससी के मामलों में **सीबीआई जांच** शुरू करेंगे।
- **30 दिनों के भीतर जेपीएससी अध्यक्ष** की नियुक्ति करेंगे।

7

हम झारखंड में **अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ** को रोकने और **आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा** के लिए ठोस कदम उठाएंगे:

- संथाल परगना सहित पूरे झारखंड में सख्त कानूनी प्रक्रिया लागू कर **अवैध घुसपैठ पर पूर्ण विराम** लगाएंगे।
- **घुसपैठियों द्वारा कब्जाई आदिवासी जमीन को वापस लौटाने** के लिए कानून बनाएंगे।
- यह सुनिश्चित करेंगे कि आदिवासी महिलाओं से **शादी करने वाले घुसपैठियों के बच्चों को आदिवासी दर्जा न दिया जाये** ताकि आदिवासी समुदायों की भावी पीढ़ी अपने अधिकारों का वास्तविक लाभ ले सके।

8

हम महिला सशक्तिकरण के लिए ₹50 लाख तक मूल्य की अचल संपत्ति के पंजीकरण के लिए **एक रुपये की स्टांप ड्यूटी** को पुनः बहाल करेंगे।

9

हम **बीएड, नर्सिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों** के लिए सरकारी संस्थानों में **निःशुल्क शिक्षा** प्रदान करेंगे और निजी संस्थानों में ट्यूशन फीस के खर्च को वहन करेंगे।

10

हम झारखंड में **'विस्थापन से पहले पुनर्वास'** सुनिश्चित करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक **पुनर्वास आयोग** का गठन करेंगे।

झारखंड के भाजपा के 25 साल पर संकल्प

11

हम **आदिवासी सम्मान एवं अस्मिता** को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए:

- राज्य में प्रत्येक **आदिवासी धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल** के विकास के लिए और गांव स्तर पर पर्वों और लोक आयोजनों के लिए **अनुदान सहायता** देंगे।
- आदिवासी भाषाओं, इतिहास, कला और संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए **₹500 करोड़ खर्च कर सिद्धो-कान्हो शोध केंद्र** स्थापित करेंगे।
- गांवों में स्मारकों, सूचना केंद्रों और प्रदर्शनियों के माध्यम से बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हो और नीलाम्बर-पीताम्बर जैसे **आदिवासी नायकों** को सम्मानित करेंगे।

12

हम **'फूलो-झानो पढ़ो बिटिया'** योजना के तहत राज्य के गरीब और पिछड़े वर्ग की प्रत्येक बालिका को **केजी से पीजी (KG to PG) तक मुफ्त शिक्षा प्रदान** करेंगे।

13

हम **'मातृत्व सुरक्षा योजना'** के तहत प्रत्येक गर्भवती महिला को **6 पोषण किट और ₹21,000 की सहायता** प्रदान करेंगे।

14

हम राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए एक व्यापक आधारभूत ढांचा विकसित करेंगे, जिसके अन्तर्गत:

- झारखंड में **10 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज** और राज्य के प्रत्येक जिले में एक नर्सिंग प्रशिक्षण कॉलेज स्थापित करेंगे।
- **'आयुष्मान भारत - जीवन धारा योजना'** से सभी 70 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों को ₹10 लाख तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेंगे, जिसमें आयुष्मान भारत के ₹5 लाख के अतिरिक्त राज्य द्वारा ₹5 लाख की सहायता दी जाएगी।
- सीएचसी, पीएचसी और अन्य सरकारी अस्पतालों में **25,000 नए बेड** की सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

झारखंड के भाजपा के 25 साल पर संकल्प

15

हम झारखंड में **सुशासन सुनिश्चित** करने के लिए:

- मौजूदा सरकार के व्यापक कुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ **'जीरो टॉलरेंस' नीति** को लागू करेंगे एवं एक **जांच आयोग का गठन** करेंगे।
- हम **2 सालों** के भीतर **नक्सलवाद का खात्मा** करेंगे।
- **एडवांस्ड टेक सर्वैलन्स मेकनिज़्म** और एक मजबूत कानूनी ढांचे के माध्यम से राज्य में अवैध खनन पर अंकुश लगाएंगे।
- हम **181 सीएम संवाद हेल्पलाइन** को पुनः बहाल करेंगे।
- **पंचायती राज व्यवस्था** को और सशक्त बनाने के लिए **मुखियाओं का मासिक वेतन ₹5,000 तक बढ़ाएंगे।**

16

हम झारखंड को 2027 तक मानव तस्करी मुक्त बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर **'ऑपरेशन सुरक्षा'** शुरू करेंगे, जिसका ध्यान मानव तस्करी की रोकथाम, बचाव और पुनर्वास पर होगा:

- हम सभी क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल सहायता और जानकारी के लिए **24/7 टोल-फ्री एंटी-ट्रैफिकिंग हेल्पलाइन** लॉन्च करेंगे।
- हम पीड़ितों के लिए एक **विशेष सहायता** और **पुनर्वास कोष** का गठन करेंगे, जो उन्हें आर्थिक सहायता, कानूनी समर्थन और आजीविका के अवसर प्रदान करेगा।

17

हम **'कृषक सु-नीति'** शुरू करेंगे, जिसके तहत हम:

- धान की खरीद की दर को **₹3,100 प्रति क्विंटल** तक बढ़ाएंगे।
- बिना कटनी-छटनी के पूरे वजन का पैसा खरीद के 24 घंटे के भीतर **DBT के माध्यम से भुगतान करेंगे।**
- छोटे और सीमांत किसानों एवं पशुपालकों की भूमि पर **₹5,000 प्रति एकड़** ₹25,000 तक प्रदान करने के लिए **'कृषि आशीर्वाद योजना'** को फिर से शुरू करेंगे।
- 2030 तक राज्य में **सिंचाई क्षेत्र को तीन गुना** तक बढ़ाएंगे।

18

हम सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में एससी/एसटी आरक्षण यथावत रखते हुए **अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27% आरक्षण** के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही कानूनी अड़चनों को हटाएंगे।

झारखंड के भाजपा के 25 साल पर संकल्प

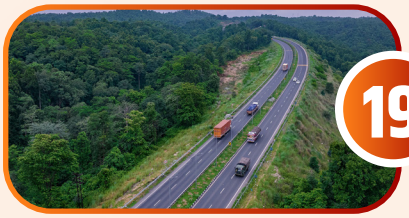

19

हम झारखंड को परिवहन नेटवर्क के सहज एकीकरण के माध्यम से जोड़ेंगे:

- हम एक विश्वस्तरीय **'डायमंड क्वॉड्रिलैटरल एक्सप्रेसवे'** का निर्माण करेंगे, जो पश्चिमी से पूर्वी झारखंड तक फैलेगा, और पलामू, हजारीबाग, धनबाद और गुमला जैसे प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ेगा।
- हम **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 25,000 किमी** मजबूत, सभी मौसमों के लिए अनुकूल सड़कें बनाएंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि झारखंड का हर गांव मुख्य मार्ग से जुड़े।
- हम राज्य के **सभी जिला मुख्यालयों** को राजधानी रांची से **रेल नेटवर्क द्वारा जोड़ेंगे।**

20

हम देश भर के सभी प्रमुख शहरों में **'झारखंड जोहार भवन'** स्थापित करेंगे ताकि राज्य के बाहर रहने वाले झारखंडियों को अन्य राज्यों में सुविधाएँ, सुरक्षा की गारंटी और आपातकालीन समय पर सहायता प्रदान की जा सके।

21

हम **वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों के लिए मासिक पेंशन को ₹2,500 तक बढ़ाएंगे,** जिससे उनकी वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

22

हम ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए:

- न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) तंत्र के अंतर्गत **अरहर और महुआ** को शामिल करेंगे।
- हर **आदिवासी ब्लॉक में प्रसंस्करण और भंडारण केंद्र स्थापित करेंगे,** ताकि केंदू पत्ता, महुआ, और मशरूम जैसे वन उत्पादों को मूल्यवर्धन किया जा सके।
- **बड़े आकार के आदिवासी बहुपरकारी समितियों (लैम्प्स)** का गठन करेंगे, ताकि जनजातीय उत्पादों के लिए ऋण सहायता और बाजार उपलब्ध करवाए जा सकें।
- वन-आधारित समुदायों को महुआ, केंदू पत्ते, लाह, इमली, साल बीज, और चिरौंजी जैसे **प्रमुख वन उत्पादों की खरीद** करेंगे।

झारखंड के भाजपा के 25 साल पर संकल्प

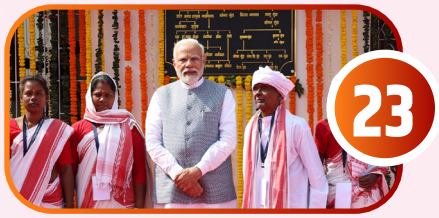

23

हम आदिवासी समुदायों को सभी अधिकारों की गारंटी देंगे और उनकी अस्मिता की रक्षा करने के लिए:

- यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्तावित **समान नागरिक संहिता (UCC) के दायरे से** आदिवासी समुदायों को बाहर रखा जायेगा।
- **PESA (अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार)** का क्रियान्वयन सुनिश्चित कर **मुखियाओं एवं पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाएंगे।**
- **वन अधिकार अधिनियम** का प्रभावी कार्यान्वयन और **वन अधिकार पट्टों** का वितरण सुनिश्चित करेंगे।
- विशेष रूप से आदिवासी और अनुसूचित जाति समुदायों के खिलाफ वन विभाग द्वारा दर्ज **छोटे मुकदमों की समीक्षा** कर समाप्त करेंगे।

24

हम पलायन समाप्त करने के लिए झारखंड को कौशल विकास के हब के रूप में विकसित करेंगे:

- 5 लाख युवाओं के लिए ₹1 लाख वार्षिक वित्तीय सहायता के साथ **'झारखंड इंटर्नशिप और स्किल ट्रेनिंग' (JIST)** कार्यक्रम शुरू करेंगे।
- राज्य के सभी मौजूदा **ITI को हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से उन्नत करेंगे** और इनोवेशन हब स्थापित करेंगे।
- हर प्रमंडल में मिस्त्री और संबंधित कुशल कारीगरों के लिए अत्याधुनिक और उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

25

हम झारखंड को भारत के **शीर्ष पांच पर्यटन अनुकूल राज्य** बनाने के लिए :

- प्रमुख देवी मंदिरों को जोड़ते हुए **भगवती सर्किट** स्थापित करेंगे।
- **बाबा वैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ तीर्थक्षेत्र** विकास योजना शुरू करेंगे जिसके अंतर्गत तीर्थयात्रा सुविधाओं में सुधार, श्रावणी मेला को बढ़ावा और साहिबगंज में गंगा नदी के किनारे को सांस्कृतिक केंद्र में बदलना शामिल होगा।
- महत्वपूर्ण आदिवासी नायकों के स्मारक स्थलों को जोड़ते हुए **आदिवासी सर्किट** बनाएंगे।
- झारखंड को **'इको-टूरिज्म राजधानी'** बनाएंगे, होमस्टे का विस्तार करेंगे, सांस्कृतिक प्रचार करेंगे, और बेतला राष्ट्रीय उद्यान को शीर्ष इकोटूरिज्म गंतव्य में बदलेंगे।

सशक्त नारी, पहचान हमारी

हमारे संकल्प

- हम **'गोगो दीदी योजना'** के माध्यम से हर महीने की 11 तारीख को झारखंड की सभी महिलाओं के बैंक खाते में ₹2,100 प्रदान करेंगे।
- हम झारखंड को **2027 तक मानव तस्करी मुक्त** बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर **'ऑपरेशन सुरक्षा'** शुरू करेंगे, जिसका ध्यान मानव तस्करी की रोकथाम, बचाव और पुनर्वास पर होगा:
  - हम तत्काल सहायता और जानकारी के लिए सभी क्षेत्रीय भाषाओं में **24/7 टोल-फ्री एंटी-ट्रैफिकिंग हेल्पलाइन लॉन्च** करेंगे।
  - हम पीड़ितों के लिए एक **विशेष सहायता और पुनर्वास कोष** का गठन करेंगे, जो उन्हें आर्थिक सहायता, कानूनी समर्थन और आजीविका के अवसर प्रदान करेगा।
- हम महिला सशक्तिकरण के लिए ₹50 लाख तक मूल्य की भूमि या संपत्ति के पंजीकरण के लिए **एक रुपये की स्टांप ड्यूटी** को पुनः बहाल करेंगे।
- हम बीपीएल छात्राओं के लिए **'लक्ष्मी लाडली योजना'** को फिर से प्रारंभ करेंगे, जिसमें बालिका के जन्म पर **₹1,75,000 का आश्वासन प्रमाण पत्र** जारी किया जाएगा।
- हमारा लक्ष्य **2030 तक झारखंड में 15 लाख लखपति दीदियां बनाने का है।** इसके लिए हम :
  - **महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs)** के लिए गांव-स्तरीय उत्पाद-विशिष्ट क्लस्टर बनाएंगे, जहाँ हम उत्पाद विपणन, बाजार से जुड़ाव और परिवहन के लिए सुविधा प्रबंधन प्रदान करेंगे।

हमारे संकल्प

- **स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को ऋण पर सब्सिडी** प्रदान की जाएगी, जिसमें पुनर्भुगतान पर बढ़ी हुई सब्सिडी भी शामिल होगी।
- हम **'झारखंड महिला उद्यमी योजना'** शुरू करेंगे, जिसमें महिला समूहों को स्वरोजगार गतिविधियां शुरू करने के लिए ₹5 लाख तक का ब्याज मुक्त सूक्ष्म ऋण दिया जाएगा।
- हम **आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं** और **स्वास्थ्य सहिया** को दिए जाने वाले मानदेय में **50% की वृद्धि** करेंगे।
- हम हर जिला स्वास्थ्य केंद्र में **स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर** की **मुफ्त जांच** प्रदान करेंगे।
- हम **मनरेगा श्रमिकों** सहित संगठित और असंगठित क्षेत्रों की महिला कर्मचारियों की मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक **क्रेच सुविधा** बनाएंगे।
- हम महिलाओं की गरिमा की रक्षा करने एवं उनकी सुविधा के लिए **महिला स्नान घरों** का निर्माण करेंगे।

युवाओं के अरमान, भरेंगे उड़ान

हमारे संकल्प

- हम हम **5 वर्षों** के भीतर झारखंड के युवाओं के लिए **5 लाख स्वरोजगार** के अवसर सृजन करेंगे। इसके अलावा **2,87,500 सरकारी पदों** पर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से भर्ती सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए:
  - पहली कैबिनेट बैठक में भर्ती की प्रक्रिया शुरू करेंगे और **नवंबर 2025 तक 1.5 लाख पदों पर भर्ती की प्रक्रिया** पूरी करेंगे।
  - सभी परीक्षाओं के लिए एक **वार्षिक कैलेंडर** प्रस्तुत करेंगे।
  - हर साल **1 लाख झारखंडी युवाओं** के लिए स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।
- हम झारखंड के हर स्नातक और स्नातकोत्तर युवा, जो अपना करियर बनाने के लिए संघर्षरत हैं, उन्हें दो वर्षों की अवधि के लिए प्रति माह **₹2,000 'युवा साथी' भत्ता** प्रदान करेंगे।
- हम **बीएड, नर्सिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों** के लिए सरकारी संस्थानों में **निशुल्क शिक्षा** प्रदान करेंगे, और निजी संस्थानों में ट्यूशन फीस को वहन करेंगे।
- हम झारखंड में सरकारी पदों पर **नियुक्ति में पारदर्शिता और अभ्यर्थियों को न्याय** सुनिश्चित करने के लिए:
  - **जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा** को **रद्द करेंगे** और पूर्वगत सीजीएल परीक्षा की **सीबीआई जांच** कराएंगे।

हमारे संकल्प

- **सभी प्रमुख पेपर लीक,** विषेशकर पीजीटी, लैब असिस्टेंट, एवं 11वीं जेपीएससी के मामलों में **सीबीआई जांच** शुरू करेंगे।
- **30 दिनों के भीतर जेपीएससी अध्यक्ष** की नियुक्ति करेंगे।

- हम झारखंड युवा उद्यम क्रांति योजना के तहत राज्य में **युवाओं को उनकी उद्यमशील पहल के लिए 50% सब्सिडी के साथ ब्याज मुक्त ऋण** प्रदान करेंगे।
- हम **युवा इंटर्नशिप कार्यक्रम जिस्ट (झारखंड इंटर्नशिप और कौशल प्रशिक्षण-JIST)** शुरू करेंगे, जिससे 5 लाख युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में 1 वर्ष के लिए ₹1 लाख तक की वार्षिक वित्तीय सहायता के साथ इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे।
- हम 12वीं कक्षा से आगे के विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करेंगे :
  - एससी, एसटी ओबीसी और ईडब्ल्यूएस विद्यार्थियों को सेट/ नीट/ आईआईटी-जेईई/ आईएएस/ जेएएस/ बैंकिंग की कोचिंग के लिए **₹20,000 की स्कॉलरशिप** और मुफ्त प्रीमियम ऑनलाइन पाठ्यक्रम देंगे।
  - उच्च अध्ययन के लिए **₹10 लाख तक का ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण उपलब्ध कराएंगे।**
- हम झारखंड में खेल का इकोसिस्टम विकसित करने के लिए एवं खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए:
  - **'जयपाल सिंह मुंडा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी'** की स्थापना करेंगे।
  - राज्य में उभरते खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय **हॉकी-फुटबॉल अकादमी, आवासीय छात्रावास और स्टेडियम** तथा प्रत्येक प्रमंडल में ओलंपिक अकादमियाँ स्थापित करेंगे।
  - हर ब्लॉक में एस्ट्रोटर्फ आधारित **ओपन एयर जिम्नेजियम और स्पोर्ट्स नर्सरी** बनाएंगे, जिससे 8-17 वर्ष के एथलीटों को समर्पित प्रशिक्षण सुविधाएँ मिलेंगी।

- **खेलो इंडिया** के सारे कार्यक्रमों को **साई सेंटर्स** में आयोजित करेंगे।

- सशस्त्र बलों की सेवा से लौटने के पश्चात, हम **अग्निवीरों के लिए अवसर सृजित** करेंगे और उन्हें राज्य पुलिस तथा वन रक्षकों में भर्ती करेंगे।

- हम **आयुष एंड वेलनेस सेंटर्स** की स्थापना करेंगे जो युवाओं को नशा मुक्ति, योग और वेलनेस सुविधाएं प्रदान करेंगे।

- हम **ITI और स्किल सेंटर्स स्थापित करेंगे** और राज्य में सभी मौजूदा ITIs को हब-और-स्पोक मॉडल के माध्यम से उन्नत करेंगे। इस पहल के तहत, हम:
  - **भौतिक बुनियादी ढांचे को उन्नत** करेंगे और अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित करेंगे।
  - पाठ्यक्रम को **उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्गठित** करेंगे, जिसमें डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल होंगे।
  - ITIs में **प्लेसमेंट और उद्यमिता सेल** स्थापित करेंगे और रोजगार स्थिति पर डेटा अपलोड करना अनिवार्य करेंगे।
  - प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तंत्र को उन्नत करेंगे और **रिक्त पदों को भरेंगे।**

- हम झारखंड को **नेट स्किल एक्सपोर्टर** के तर्ज पर विकसित करने के लिए:
  - विदेशी उच्च संस्थानों के साथ पार्टनरशिप कर **बाबा कार्तिक उरांव स्किल यूनिवर्सिटी** स्थापित करेंगे।
  - **इंडस्ट्री 4.0** की मांग को पूरा करने के लिए **उन्नत कौशल विकास केंद्र और इनोवेशन केंद्र स्थापित करेंगे,** जिससे नयी तकनीकों में अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा मिल सके।
  - जिला-वार कौशल और मांग मानचित्रण के माध्यम से एक **कौशल रजिस्ट्री** और **कौशल प्रशिक्षण मॉडल** बनाएंगे।
  - हम प्रत्येक प्रमंडल में निर्माण, पत्थर का काम और संबंधित कारीगरों के लिए उन्नत प्रशिक्षण और **कौशल विकास सुविधाएँ** प्रदान करेंगे।

वेलंगा खड़िय
1850 - 1860

झारखंड की शक्ति, समृद्ध आदिवासी संस्कृति

हमारे संकल्प

- **PESA (अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार)** का क्रियान्वयन सुनिश्चित कर **मुखियाओं एवं पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त** बनाएंगे।
- हम **केंदू पत्ते, महुआ, मशरूम और कंद जड़ों सहित वन उत्पादों** के मूल्य को बढ़ाने के लिए हर आदिवासी ब्लॉक में **प्रसंस्करण और भंडारण** केंद्र स्थापित करेंगे।
- हम आदिवासी समुदायों को सभी अधिकारों की गारंटी देंगे और उनकी अस्मिता की रक्षा करने के लिए:
  - आवेदनों के शीघ्र निपटान की सुविधा, दावों की मनमानी अस्वीकृति को रोकने और **वन अधिकार पट्टों** को वितरित करके **वन अधिकार अधिनियम** के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेंगे।
  - **'वनाधिकार सुरक्षा योजना'** से वन भूमि अधिकारों के दावों को तेजी से ट्रैक करेंगे, झारखंडी माटी को अवैध खनन से बचाएंगे और वनों का संरक्षण एवं संवर्धन करेंगे।
- हम **पीवीटीजी को आवास,** दुधारू पशु, मछली पकड़ने के जाल देकर आजीविका के साधन प्रदान करने और पीने के पानी की सुविधाओं में सुधार करने के लिए **'तिलका मांझी उत्थान योजना'** शुरू करेंगे।
- हम स्थानीय समुदायों का समर्थन करते हुए **ढिबरा** बीनने वालों के लिए स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करेंगे।
- हम प्रत्येक पंचायत में **धुमकुड़िया** जैसे पारंपरिक

हमारे संकल्प

व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए पारंपरिक शासन व्यवस्था के प्रमुख को **प्रति महीने ₹3,000 समर्थन राशि** प्रदान करेंगे।

- हम झारखंड के **पारंपरिक मेलों और त्योहारों** को बढ़ावा देने के लिए:
  - **माण्डर में 65 एकड़ के मेला मैदान को विकसित करके मुड़मा जतरा का समर्थन करेंगे,** जिसमें एक बहुउद्देश्यीय सभागार का निर्माण भी शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, हम **गुमला में स्थित सिरासीता धाम और बोकारो में लुगु बुरु घंटा बाड़ी** को भी इसी तर्ज पर विकसित करेंगे।
  - **पारम्परिक मेलों के आयोजकों को सहायता धनराशि** आवंटित करके यह सुनिश्चित करेंगे कि इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उचित सम्मान, मान्यता एवं भव्यता के साथ मनाया जाए।
- हम आदिवासी छात्रों के लिए **शेष ब्लॉकों में 46 और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) स्थापित करेंगे।** हम बहुउद्देशीय सभागारों, भाषा प्रयोगशालाओं, व्यावसायिक और कौशल विकास अकादमियों, आधुनिक प्रयोगशालाओं और उन्नत खेल प्रशिक्षण अकादमियों की स्थापना करके मौजूदा ईएमआरएस का उन्नयन भी करेंगे।

जन-जन का विश्वास, पूरी होगी सबकी आस

हमारे संकल्प

- हम झामुमो सरकार में व्याप्त वर्षों के कुशासन को खत्म करेंगे और **सभी के लिए आवास** सुनिश्चित करेंगे:
  - हम झारखंड के प्रत्येक नागरिक को **घर बनाने के लिए निःशुल्क बालू उपलब्ध** कराएंगे।
  - 21 लाख घरों के लिए पीएम आवास योजना का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगे, जिसमें **प्रति घर ₹1 लाख की बढ़ी हुई वित्तीय सहायता भी शामिल होगी।**
  - **2027 तक जल जीवन मिशन** के पूर्ण कार्यान्वयन के माध्यम से **शेष 59 लाख घरों** में नल जल कनेक्शन प्रदान करेंगे।
- हम राज्य के सभी परिवारों को **₹500 में एलपीजी गैस सिलेंडर** और **साल में दो मुफ्त सिलेंडर** प्रदान करेंगे।
- हम भूमिहीन अनुसूचित जाति परिवारों को **'बाबासाहेब अंबेडकर योजना'** के तहत घर बनाने के लिए **5 डिसमिल** भूमि पट्टे का आवंटन करेंगे।
- हम वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों के लिए **मासिक पेंशन को ₹2,500 तक बढ़ाएंगे,** जिससे उनकी वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।
- हम सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में एससी/एसटी आरक्षण यथावत रखते हुए अन्य **पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27% आरक्षण** के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही कानूनी अड़चनों को हटाएंगे।

हमारे संकल्प

- हम सभी समुदायों के व्यक्तियों को **जाति प्रमाण पत्र सहज रूप से उपलब्ध** कराएँगे।
- हम **वंचित समुदायों के वर्गीकरण** की समस्या का हल करेंगे।
- हम झारखंड राज्य पोस्ट मैट्रिक और प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत **एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों** को हर साल दी जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि को **दोगुना** करेंगे।
- हम राज्य के नगर पालिका कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने के लिए **'माँ शीतला समृद्धि योजना'** शुरू करेंगे। इसके तहत हम:
  - **वेतन का समय पर भुगतान** सुनिश्चित करेंगे।
  - **जीवन और स्वास्थ्य बीमा** सस्ती दरों पर उपलब्ध कराएँगे।
  - एक संरचित **पेंशन योजना** लागू करेंगे जो सुरक्षित आय की गारंटी देगी।
- हम झारखंड में **'विस्थापन से पहले पुनर्वास'** सुनिश्चित करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक **पुनर्वास आयोग का गठन** करेंगे।
- हम दिव्यांगों को प्रारंभिक पहचान और पुनर्वास से लेकर आजीवन संपूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण सहायता प्रदान करने के लिए **'दिव्यांग स्वावलंबन योजना'** शुरू करेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होंगे:
  - प्रत्येक पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल को जांच और जांच सुविधाओं से लैस करने के लिए **'दिव्यांगजन सामर्थ्य योजना'** का शुभारंभ।
  - यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक **परामर्शदाता,** 'सहायक' हो, जो दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करे।
  - स्वास्थ्य देखभाल, विशेष चिकित्सा, तथा सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक जिले में व्यापक **पुनर्वास केन्द्र** स्थापित करना।
- हम समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए **10% ईडब्ल्यूएस आरक्षण जारी** रखकर उनका सशक्तिकरण सुनिश्चित करेंगे।

समृद्ध किसान, हमारी पहचान

हमारे संकल्प

- हम **'कृषक सु-नीति'** शुरू करेंगे, जिसके तहत हम:
  - धान की खरीद की दर को **₹3,100 प्रति क्विंटल** तक बढ़ाएंगे।
  - बिना कटनी-छटनी के पूरे वजन का पैसा खरीद के 24 घंटे के भीतर **DBT के माध्यम से भुगतान करेंगे।**
  - छोटे और सीमांत किसानों एवं पशुपालकों की भूमि पर **₹5,000 प्रति एकड़** ₹25,000 तक प्रदान करने के लिए **'कृषि आशीर्वाद योजना'** को फिर से शुरू करेंगे।
- हम **2030 तक राज्य में सिंचाई क्षेत्र को तीन गुना तक बढ़ाएंगे,** साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सिंचाई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के कारण कोई भी विस्थापित न हो। इसके लिए:
  - हम एक **विशेष समिति का गठन** करेंगे जो कनहर बैराज और बुढाई आदि सिंचाई परियोजना जैसी लंबित सिंचाई परियोजनाओं का अध्ययन एवं निरीक्षण कर इन्हें तेजी से पूरा करने की योजना बनाएगी।
  - हम सिंचाई के मुद्दों के समाधान के लिए **लक्षित लघु और सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाएं** प्रारंभ करेंगे।
- हम **'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना'** लागू करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जंगली जानवरों द्वारा क्षतिग्रस्त फसलों को पीएमएफबीवाई के तहत शामिल किया जाए, जिससे प्रभावित किसानों के दावों का समय पर निपटान किया जा सके।

हमारे संकल्प

- हम उत्पादन को दोगुना करके झारखंड को भारत के **लाह पावरहाउस में बदलेंगे,** जिसके लिए:
  - लाह उत्पादकों को **आधुनिक कटाई और प्रसंस्करण तकनीकों** का परिचय देते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
  - प्रमुख उत्पादन क्लस्टरों में **एकीकृत लाह प्रसंस्करण** इकाइयाँ स्थापित की जाएंगी, साथ ही उत्पादकों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित लाह विपणन मंच भी बनाया जाएगा।
- हम हर ब्लॉक में एक आधुनिक कोल्ड स्टोरेज सुविधा का निर्माण करके राज्य की कोल्ड स्टोरेज क्षमता को तीन गुना करने के लिए **'कोल्ड स्टोरेज विकास परियोजना'** शुरू करेंगे।
- हम व्यवस्थित 300 **कृषि सहकारी समितियों की संख्या 500 तक बढ़ाएंगे,** जो किसानों को प्रशिक्षण, विपणन और वित्तीय सेवाओं के लिए वन-स्टॉप सेंटर के रूप में कार्य करेंगे।
- हम **जैविक खेती** को बढ़ावा देने के लिए प्रमाणीकरण सहायता, जैविक इनपुट और जैविक कृषि पद्धतियों में प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।
- हम उत्पादन और किसानों की आय को बढ़ावा देने के लिए **'झारखंड दलहन और तिलहन क्रांति' (जेपीओआर) शुरू करेंगे।** इस पहल के तहत :
  - पाँच वर्षों के भीतर **दाल और तेल बीज की खेती के क्षेत्र को 50%** बढ़ाया जाएगा।
  - किसानों को उच्च उपज देने वाले, जलवायु-प्रतिरोधी **बीजों को सब्सिडी दर** पर प्रदान किया जाएगा।

पशुपालन

- हम दुग्ध उद्योग में क्रांति लाने के लिए **'दुग्ध अमृत योजना'** शुरू करेंगे जिसके तहत हम:
  - दुग्ध किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए, प्रत्येक ब्लॉक में **'अमृत संग्रहण केंद्र'** स्थापित करेंगे।
  - राज्य के प्रत्येक दुग्ध किसान के लिए एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को **₹7 प्रति लीटर** बढ़ाएंगे।

- राज्य के **पशुधन की स्वास्थ्य सुरक्षा** के लिए -
  - हम नियमित टीकाकरण और जांच हेतु हर ब्लॉक में **मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक** तैनात करेंगे।
  - हम एक कम-प्रीमियम वाली व्यापक **'पशुधन बीमा योजना'** शुरू करेंगे, जिसमें लम्पी स्किन डिसीज और फुट एण्ड माउथ डिसीज सहित सभी बीमारियों को शामिल किया जाएगा, और इसका सार्वभौमिक नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा।
- हम **गोवंश के संरक्षण** हेतु ग्राम पंचायतो में गौशाला स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।
- हम बैकयार्ड पोल्ट्री योजना शुरू करेंगे, जिसमें एसटी/एससी लाभार्थियों के लिए 75% सब्सिडी और अन्य लोगों के लिए **बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग** को बढ़ाने के लिए प्रति यूनिट 70% सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

मछली पालन

- हम 2030 तक मछली उत्पादन को 2.5 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 4 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष करने के लिए **'झारखंड मत्स्य मिशन'** लॉन्च करेंगे, जिसके तहत हम:
  - सभी मछली फार्मों के लिए **30% की सब्सिडी** प्रदान करेंगे।
  - नए फार्मों के लिए **35% की सब्सिडी** प्रदान करेंगे।
  - बायो-बैग और पिंजरे में खेती के लिए **50% की सब्सिडी** प्रदान करेंगे।

F2R

भाजपा का प्रण, सेवा और सुशासन

हमारे संकल्प

- हम झारखंड में **अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ** को रोकने और **आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा** के लिए ठोस कदम उठाएंगे:
  - संथाल परगना सहित पूरे झारखंड में सख्त कानूनी प्रक्रिया लागू कर **अवैध घुसपैठ पर पूर्ण विराम** लगाएंगे।
  - **घुसपैठियों द्वारा कब्जाई आदिवासी जमीन को वापस लौटाने** के लिए कानून बनाएंगे।
  - यह सुनिश्चित करेंगे कि आदिवासी महिलाओं से **शादी करने वाले घुसपैठियों के बच्चों को आदिवासी दर्जा न दिया जाये** ताकि आदिवासी समुदायों की भावी पीढ़ी अपने अधिकारों का वास्तविक लाभ ले सके।
- हम भ्रष्टाचार के खिलाफ **'जीरो टॉलरेंस'** नीति लागू करके वर्तमान सरकार के व्यापक कुशासन और भ्रष्टाचार को समाप्त करेंगे:
  - पूरे राज्य में संगठित अपराधों से निपटने और आपराधिक सिंडिकेट को खत्म करने के लिए एक समर्पित कानून **झारखंड संगठित अपराध और माफिया नियंत्रण अधिनियम (जेओसीएमसीए)** लाएंगे।
  - **ई-लोकायुक्त ऐप** को नागरिकों को लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतें सीधे दर्ज करने के लिए सशक्त बनाने वाला एक आसान डिजिटल उपकरण बनाएंगे।
  - **'भ्रष्टाचार को हराने के लिए डायल करें'**

हमारे संकल्प

हेल्पलाइन नंबर शुरू करेंगे जो पहचान गुप्त रखते हुए भ्रष्टाचार की शिकायतों के लिए तत्काल प्रतिक्रिया की गारंटी देगा।

- हम एक **जांच आयोग का गठन कर सभी हाई-प्रोफाइल घोटालों का निपटारा करेंगे,** और यह सुनिश्चित करेंगे कि दोषियों को जिम्मेदार ठहराया जाए और घोटालों व भ्रष्टाचार मामलों से वसूल की गई हर एक रुपये की राशि जनता को वापस की जाए।

- हम आदिवासी और अनुसूचित जाति समुदायों के खिलाफ **वन विभाग द्वारा दर्ज छोटे मुकदमों** की समीक्षा कर समाप्त करेंगे।
- हम **'181 सीएम संवाद हेल्पलाइन'** को पुनः बहाल करेंगे।
- हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्तावित **समान नागरिक संहिता (UCC) के दायरे से** आदिवासी समुदायों को बाहर रखा जाए।
- हम **नगर निकाय चुनाव** को समयबद्ध तरीके से आयोजित करेंगे।
- हम महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य के हर जिले में **संगिनी नामक पिंक थाने** की स्थापना करेंगे।
- हम एक **'पंचायत उन्नयन अभियान'** शुरू करेंगे जिसके तहत:
  - हम सरकारी सेवाओं और सूचनाओं तक 24/7 पहुंच के लिए 2027 तक प्रत्येक पंचायत में **ग्रामीण सुविधा कियोस्क** शुरू करेंगे।
  - हम सुचारू कामकाज, बेहतर सेवा वितरण और सार्वजनिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए पूरे झारखंड में प्रत्येक **पंचायत कार्यालय में समर्पित सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर, गार्ड और चपरासी** तैनात करेंगे।
- हम **'प्रोजेक्ट त्रिवेणी'** लॉन्च करेंगे, जो तीन प्रमुख स्तंभों को एकीकृत करेगा—सुरक्षा उपायों को बढ़ाना, क्षेत्रीय विकास में तेजी लाना, और प्रभावित समुदायों के साथ सतत संवाद स्थापित करना, ताकि **नक्सलवाद को दो साल के भीतर पूरी तरह समाप्त किया जा सके** और झारखंड में स्थायी शांति बहाल की जा सके।
- हम सभी सरकारी सेवाओं में सुलभता और पारदर्शिता लाने के लिए **सेवा का अधिकार (Right To Service Act)** का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगे एवं सभी वर्गों के विकास के लिए **महिला आयोग, युवा आयोग, सूचना आयोग, ओबीसी आयोग** एवं **सैनिक कल्याण बोर्ड** का गठन करेंगे।
- हम सार्वजनिक खरीद में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे:
  - हम झारखंड में सभी सरकारी अनुबंधों के लिए **ई-टेंडरिंग को अनिवार्य करेंगे,** जिससे पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सके।
  - हम **'झारखंड सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता अधिनियम'** लाएंगे, जिससे सामान और सेवाओं की सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।
- हम गावों की रक्षा के लिए स्थानीय युवाओं के माध्यम से **'ग्राम रक्षा दल'** का गठन करेंगे, जिन्हें सरकार की तरफ से मानदेय भी दिया जायेगा।
- हम भूमि हड़पने एवं धर्मांतरण की दृष्टि से किये जाने वाले विवाह एवं **'रोटी बेटी माटी'** की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए **लव जिहाद** एवं **लैंड जिहाद के खिलाफ कानून** लाएंगे।
- हम **पंचायती राज व्यवस्था** को और सशक्त बनाने के लिए **मुखियाओं का मासिक वेतन ₹5,000 तक बढ़ाएंगे।**

श्रम का सम्मान, झारखंड का उत्थान

हमारे संकल्प

- हम देश भर के सभी प्रमुख शहरों में **'झारखंड जोहार भवन'** स्थापित करेंगे ताकि राज्य के बाहर रहने वाले झारखंडियों को अन्य राज्यों में सुविधाएँ, सुरक्षा की गारंटी और आपातकालीन समय पर सहायता प्रदान की जा सके।
- हम सरकारी प्रक्रिया का पालन करते हुए सहायक पुलिस, पारा शिक्षक सहित **सभी अनुबंध एवं संविदा कर्मियों का चरणबद्ध तरीके से नियमितीकरण** का प्रयास करेंगे।
- झारखंड के श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए:
  - हम राज्य में **'झारखंड श्रमिक कल्याण बोर्ड'** और प्रत्येक जिले में एक श्रम कल्याण कार्यालय स्थापित करके असंगठित श्रमिकों का सशक्तिकरण करेंगे एवं उनकी शिकायतों का समाधान करेंगे।
  - हम ₹1-प्रतिमास प्रीमियम वाली **'श्रमिक सुरक्षा बीमा योजना'** शुरू करेंगे, जिसके तहत प्रत्येक ई-श्रम पंजीकृत असंगठित श्रमिक को ₹5 लाख का मुफ्त दुर्घटना और जीवन बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा।
  - हम श्रम संहिताओं का सख्ती से कार्यान्वयन सुनिश्चित करके **ऑनलाइन डिलीवरी वर्कर्स (गिग वर्कर्स)** के अधिकारों की सुरक्षा करेंगे, उन्हें पेंशन और बीमा लाभों की सुविधा प्रदान करेंगे।
- हम पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को उपकरण और औजार खरीदने के लिए **₹25,000 की एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।** इसके साथ हम व्यावसायिक ट्रेडो में लगे श्रमिकों, स्ट्रीट वेंडर्स, कुम्हार, मोचियों सहित अन्य कारीगरों को मानकीकृत शेड और कियोस्क प्रदान करेंगे।

हमारे संकल्प

- हम **अंतर-जिला स्थानांतरण, संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगति** और गैर-शिक्षण कार्यों में शिक्षकों की भागीदारी सहित सरकारी शिक्षकों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे।
- हम राज्य में सभी सब्जी, फल और स्ट्रीट वेंडर्स की शिकायतों का समाधान करने के लिए **'स्ट्रीट वेंडर्स वेलफेयर बोर्ड'** का गठन करेंगे और :
  - प्रतिवर्ष एकमुश्त **सहायता के रूप में ₹2,000** का वार्षिक रखरखाव खर्च प्रदान करेंगे।
  - पीएम स्वनिधि का दायरा बढ़ाएंगे और **सरलीकृत और पारदर्शी लाइसेंसिंग प्रक्रिया (STLP)** लागू करेंगे।
  - उन्हें एक **स्थापित पोर्टल** के माध्यम से आवश्यक सेवाएं प्रदान करेंगे।
- हम **वकीलों, डॉक्टरों** और **पत्रकारों** के **संरक्षण के लिए कानून** पारित करके हिंसा और धमकी के खिलाफ उनका संरक्षण एवं **वरिष्ठ पत्रकारों के लिए पेंशन** सुनिश्चित करेंगे।

स्वास्थ्य और पोषण, झारखंड का उज्ज्वल कल

हमारे संकल्प

- **'आयुष्मान भारत - जीवन धारा योजना'** से सभी 70 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों को ₹10 लाख तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेंगे, जिसमें आयुष्मान भारत के ₹5 लाख के अतिरिक्त राज्य द्वारा ₹5 लाख की सहायता दी जाएगी।
- हम झारखंड की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का समग्र उन्नयन करेंगे:
  - हम झारखंड में **10 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज** और **राज्य के प्रत्येक जिले में एक नर्सिंग प्रशिक्षण कॉलेज स्थापित** करेंगे।
  - हम मौजूदा **4,589 सरकारी अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से लैस करेंगे, 400 नई एंबुलेंस चालू करेंगे,** 108 एंबुलेंस सेवा को फिर से शुरू करेंगे और पोषण वॉर्ड स्थापित करेंगे।
  - हम **23,000 डॉक्टरों और 6,000 नर्सों** की नियुक्ति कर यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य के प्रत्येक निवासी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए झारखंड की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में पर्याप्त कर्मचारी हों।
  - हम सीएचसी, पीएचसी और अन्य सरकारी अस्पतालों में **25,000 नए बेड की सुविधा उपलब्ध कराएँगे।**
- हम **'मातृत्व सुरक्षा योजना'** के तहत प्रत्येक गर्भवती महिला को **6 पोषण किट और ₹21,000 की सहायता** प्रदान करेंगे। पोषण किट में सत्तू, प्रोटीन चिक्की, पोषण मिश्रण पाउडर, खजूर और आयरन सिरप होगा।
- आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने

हमारे संकल्प

के लिए :

- हम **₹500 करोड़ का एक कॉर्पस फंड वैद्यनाथ आरोग्य निधि स्थापित करेंगे,** जो आदिवासी क्षेत्रों में होने वाली आनुवांशिक बीमारियों, एलिफेंटियासिस और सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित रोगियों को विशेष वित्तीय सहायता देगी।
- हम राज्य के आदिवासी बहुल जिलों में **पाँच मेडिकल मोबाइल इकाइयों** की शुरुआत करेंगे, और प्रत्येक इकाई के साथ एक आदिवासी स्वयंसेवक को शामिल करेंगे, जो जागरूकता फैलाने का काम करेगा।
- हम सरकार में आने के छह महीने के भीतर सभी **सीएचसी और पीएचसी को सर्प-दंश की दवा उपलब्ध** कराएंगे।
- हम राज्य भर में **100 डायलिसिस एवं थैलेसीमिया स्क्रीनिंग केंद्र** स्थापित करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि किडनी एवं रक्त सम्बन्धी रोग से पीड़ित प्रत्येक रोगी को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।
- हम सभी **बीपीएल रोगियों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए मुफ्त इलाज प्रदान करेंगे,** जिससे राज्य में मोतियाबिंद का बैकलॉग दूर होगा।
- हम गैर-पंजीकृत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वालों को अनिवार्य प्रशिक्षण लेने पर **'आरोग्य मित्र'** का दर्जा देकर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं सुधारेंगे।

शिक्षा का अधिकार, विकसित झारखंड का आधार

हमारे संकल्प

- हम 100 दिनों के भीतर राज्य में **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' को लागू** करेंगे, जिससे मातृभाषा आधारित बहुभाषा शिक्षण सहित समग्र शैक्षिक सुधारों की दिशा में तेजी से प्रगति सुनिश्चित होगी।
- हम **एक लाख रिक्त शिक्षक पदों पर शीघ्र भर्ती करके यह सुनिश्चित करेंगे** कि राज्य के सभी स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक हों।
- हम **'फूल-झानो पढ़ो बिटिया'** योजना के तहत राज्य के गरीब और पिछड़े वर्ग की प्रत्येक बालिका को **केजी से पीजी (KG to PG) तक मुफ्त शिक्षा प्रदान** करेंगे।
- हम सभी सरकारी स्कूलों को मिशन मोड पर उन्नत और आधुनिक बनाने के लिए **'विद्यालय कायाकल्प योजना'** के लिए **₹1,000 करोड़ का फंड** बनाएंगे :
  - यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य भर के सभी सरकारी स्कूलों में शौचालय, चारदीवारी, गार्ड, बिजली, हाई स्पीड वाई-फाई कनेक्टिविटी और सीसीटीवी सहित पर्याप्त भौतिक बुनियादी ढांचा उपस्थित हो।
  - उन्हें अत्याधुनिक स्मार्ट क्लास, अटल टिंकरिंग लैब्स, पुस्तकालयों, खेल के मैदानों, भाषा प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं, विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाओं और कला अकादमियों से सुसज्जित करेंगे।
- हम झारखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों का संपूर्ण कायाकल्प करेंगे:
  - हम राज्य भर में **15 समर्पित महिला कॉलेज** सहित **50 नए डिग्री-सह-डिप्लोमा कॉलेज**

हमारे संकल्प

स्थापित करेंगे और सभी मौजूदा कॉलेजों का उन्नयन सुनिश्चित करेंगे।

- हम झारखंड के हर जिले में एक **सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज** और प्रत्येक प्रशासनिक प्रभाग में एक **महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज** की स्थापना सुनिश्चित करेंगे।
- हम राज्य के हर प्रमंडल में **एम्स की तर्ज पर झारखंड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (JIMS)** और **आईआईटी की तर्ज पर झारखंड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (JIT)** का निर्माण करेंगे।

- हम उच्च शिक्षा के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रदान करने के लिए हर जिले में एक **'विद्यासागर कोचिंग सेंटर'** स्थापित करेंगे।
- हम स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाले **एसटी, एससी और ओबीसी छात्रों** के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य के **हर जिले में छात्रावास स्थापित करेंगे।** इसके साथ ही हम छात्रावासों का समग्र उन्नयन करेंगे तथा रसोइया, एलपीजी सिलिंडर, अनाज वाई-फाई, पुस्तकालय और सुरक्षाकर्मी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएँगे।
- हम **2030 तक कुपोषण को खत्म** करने के लक्ष्य के साथ **झारखण्ड पोषण 3.0** की शुरुआत करेंगे, जिसके अंतर्गत:
  - हम **चरणबद्ध तरीके से सभी 38,431 मौजूदा आंगनबाड़ियों को नई पीढ़ी की सक्षम आंगनबाड़ियों** में अपग्रेड करेंगे।
  - हम किशोरावस्था तक **सभी बच्चों के लिए पोषक तत्वों की खुराक और स्वास्थ्य देखभाल** सहायता प्रदान करेंगे।
  - **स्कूलों में पौष्टिक नाश्ते को शामिल करने के लिए मिड-डे मील योजना का विस्तार** करेंगे।
- हम स्कूल छोड़ने वालों को शैक्षणिक रूप से सहायता करने और उन्हें औपचारिक शिक्षा प्रणाली में फिर से एकीकृत करने के लिए शाम के स्कूलों और **ऑनलाइन मॉड्यूल सहित ब्रिज शिक्षा कार्यक्रमों** और समायोजित शिक्षण विकल्पों को लागू करने के लिए **'मिशन विद्या सेतु'** शुरू करेंगे।

हमारा प्रयास, समावेशी और चहुंमुखी विकास

हमारे संकल्प

- हम पश्चिमी से पूर्वी झारखंड तक एक विश्व स्तरीय **'डायमंड क्वाड्रिलैटरल एक्सप्रेसवे'** का निर्माण करेंगे, जो पलामू, हजारीबाग, धनबाद और गुमला जैसे प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ेगा।
- राज्य के **जिला मुख्यालयों के संपूर्ण विकास** के लिए :
  - हम हर जिला मुख्यालय को **आधुनिक शहर** की तर्ज पर विकसित करेंगे।
  - हम राज्य के हर जिला मुख्यालय को राजधानी रांची से **रेल नेटवर्क** से जोड़ेंगे।
- हम राज्य भर में हर घर, व्यवसाय और उद्योग को **24x7 बिजली आपूर्ति,** स्मार्ट ग्रिड और अनियमित बिजली बिल से राहत सुनिश्चित करके झारखंड को **शून्य बिजली कटौती** वाला राज्य बनाने का वादा करते हैं। इसके लिए हम:
  - ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और ट्रांसमिशन घाटे को कम करने के लिए प्रत्येक ब्लॉक में **राज्यव्यापी स्मार्ट ग्रिड प्रणाली** शुरू करेंगे।
  - 2029 तक स्थापित बिजली क्षमता को **6,000 मेगावाट तक बढ़ाकर और 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा** की हिस्सेदारी को 45% तक बढ़ाकर झारखंड को बिजली अधिशेष राज्य बनाएंगे।
- हम **रामगढ़-बोकारो क्षेत्र में एक 'मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क' स्थापित करेंगे,** जिससे यह एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और व्यापार केंद्र के रूप में विकसित होगा।

शहरी और ग्रामीण विकास, हर क्षेत्र की समृद्धि

हमारे संकल्प

- हम राज्य के गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए :
  - **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 25,000 किमी** मजबूत, सभी मौसमों के लिए अनुकूल सड़कें बनाएंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि झारखंड का हर गांव मुख्य मार्ग से जुड़े।
  - **100 आदर्श और आधुनिक गांव** एवं अगले 5 सालों में **8000 उन्नत गांव** विकसित करेंगे।
- हम **'झारखंड मार्ग मित्र'** लॉन्च करेंगे, जिसके तहत हम:
  - **Jhar Gat-I** योजना लॉन्च करेंगे, जिसका उद्देश्य शहरी केंद्रों को **'जाम मुक्त'** बनाना है। इसके तहत हम AI-आधारित ट्रैफिक प्रबंधन प्रणालियों और एकीकृत परिवहन समाधान का विकास करेंगे, जिससे शहरी गतिशीलता में सुधार होगा और नागरिकों को सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।
  - 2027 तक झारखंड के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में **मल्टी-लेवल पार्किंग** सुविधाएं स्थापित की जाएंगी, जिनमें प्रत्येक में **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) चार्जिंग स्टेशनों** की व्यवस्था होगी।
  - परिवहन क्षेत्र में सुधार के लिए, हम ऑटो रिक्शा और साइकिल रिक्शा जैसे पैराट्रांसिट ऑपरेटरों को बेड़े के

हमारे संकल्प

आधुनिकीकरण के लिए **वित्तीय सहायता** प्रदान करेंगे।

- हम **'झारखंड लखपति परिवार योजना'** शुरू करेंगे, जिसके तहत राज्य के 50,000 ग्रामीण परिवारों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे वे प्रति वर्ष ₹1 लाख से अधिक की आय प्राप्त कर सकेंगे:
  - **'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'** के साथ 10 किलोवाट तक का हाइब्रिड सोलर पैनल।
  - अत्यधिक सब्सिडी वाले ईवी दोपहिया वाहन, सोलर वॉटर हीटर और सोलर वॉटर पंप जैसे **सौर उपकरण।**
  - एक दुधारू गाय और एक भेड़/एक बकरी/मुर्गी की **दो यूनिट निःशुल्क।**
- हम पूरे **झारखंड में 24/7 पानी की उपलब्धता की गारंटी देने वाली 'जल संजीवनी परियोजना'** शुरू करेंगे, जिसके तहत हम:
  - राज्य भर में तालाबों और झीलों के कायाकल्प के लिए **'पोखर पुनर्जीवन मिशन'** लागू करेंगे।
  - बाहरी जल स्रोतों पर निर्भरता कम करके, 75% सब्सिडी वाली **छत वर्षा जल संचयन प्रणाली** और मुफ्त भंडारण टैंक के साथ हर घर को सशक्त बनाएंगे।
  - जल प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटते हुए रणनीतिक रूप से स्थापित **1,000 RO** संयंत्रों के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराकर स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित करेंगे।
- हम पंचायत स्तर पर इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने के लिए भारत नेट योजना के तहत किए जा रहे प्रयासों को पूरा करते हुए पूरे झारखंड में **डिजिटल वाई-फाई हॉटस्पॉट** स्थापित करेंगे।

विकास की डोर, शिखर की ओर

हमारे संकल्प

- हम **अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** के आसपास औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करेंगे, जिसमें प्रमुख शहर एवं आकांक्षी जिले शामिल होंगे।
- हम **'झारखंड औद्योगिक और आर्थिक परिवर्तन नीति'** लाएंगे जिसके तहत हम:
  - एक **स्व-प्रमाणन अनुपालन व्यवस्था** लाएंगे जो उद्योगों को विभिन्न श्रम, पर्यावरण और सुरक्षा कानूनों के पालन को स्व-प्रमाणित करने की अनुमति देगा।
  - गारंटीकृत **30-दिन की समय सीमा के भीतर लाइसेंस और परमिट** सहित सभी औद्योगिक अनुप्रयोगों को संसाधित कर निपटाएंगे।
  - विनिर्माण क्षेत्र को **पीएलआई नीति** के तहत प्रोत्साहन देंगे और 40% लाभ आवंटित करेंगे।
- हम रांची से गोला-धनबाद-बोकारो होते हुए दुमका तक स्वीकृत **एग्रो-इंडस्ट्रियल कॉरिडोर** को 2029 तक पूरा करेंगे।
- हम **आईटी जाइंट्स के सहयोग** से 2027 तक जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद में **प्रस्तावित आईटी पार्कों** का संचालन सुनिश्चित करेंगे।
- हम कोडरमा और गिरिडीह में क्लस्टर-आधारित विकास के साथ एक समर्पित **माइका औद्योगिक क्षेत्र** स्थापित करेंगे और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) के साथ एक समर्पित माइका पार्क विकसित करेंगे।

हमारे संकल्प

- हम **प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई)** योजना के तहत जमशेदपुर में एक विश्व स्तरीय **मेडिकल डिवाइस पार्क** स्थापित करेंगे, और झारखंड को पूर्वी भारत की फार्मेसी के रूप में स्थापित करेंगे।
- हम राज्य भर में नए स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए ₹1,000 करोड़ के समर्पित फंड के साथ **'झारखंड स्टार्टअप प्रमोशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (जे-सुपर)'** को फिर से शुरू करेंगे :
  - हम **राज्य की पहचान और संस्कृति** को बढ़ावा देने वाले उद्यमों को अपना पूरा समर्थन देंगे।
  - हम राज्य में युवाओं के लिए **इनक्यूबेटर और को-वर्किंग स्पेस** विकसित करेंगे।
  - हम को-वर्किंग स्पेस के विकास में लगे **निजी उद्यमों को सब्सिडी** प्रदान करेंगे।
- हम झारखंड के **एमएसएमई को समग्र सहायता** प्रदान करेंगे:
  - हम झारखंड मेकर स्पेस हब के तहत **'प्लग एंड प्ले प्रीफैब्रिकेटेड शेड का निर्माण** करेंगे, जहां उद्यमी केवल उपकरण लगाकर कारखाने शुरू कर सकेंगे।
  - हम एमएसएमई के लिए **₹1 करोड़ तक गारंटी फ्री ऋण** देने के लिए एक राज्य क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट शुरू करेंगे।

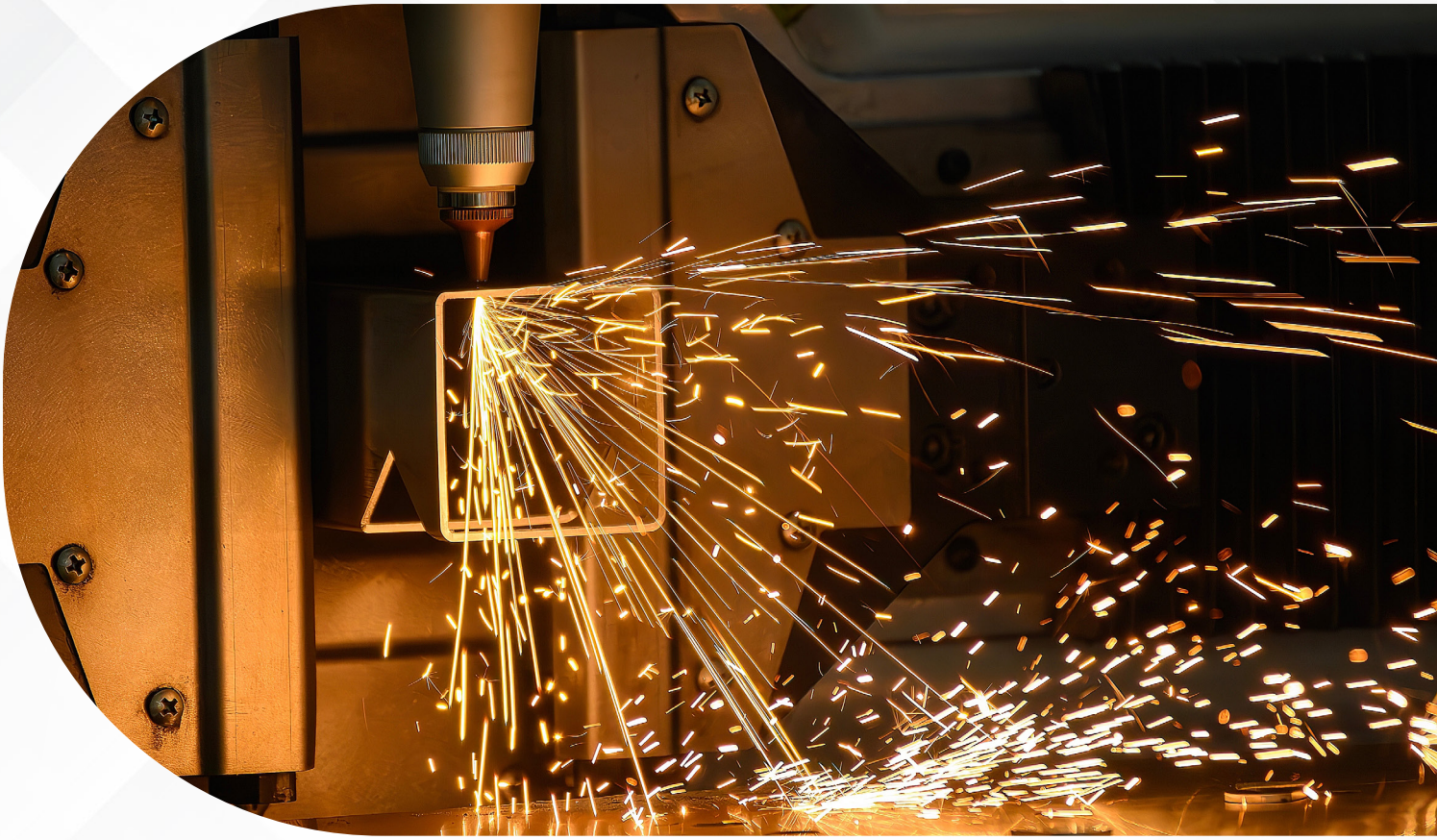

- हम सूक्ष्म उद्यमों के लिए **क्रेडिट लिंकेज, बाजार लिंकेज और सूक्ष्म-वित्तपोषण** सहायता प्रदान करेंगे।
- राज्य सरकार एमएसएमई और स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की **खरीदी को प्राथमिकता** देगी।

- हम झारखंड को भारत के प्रमुख **'जामुन निर्यात केंद्र'** के रूप में स्थापित करेंगे। जिसके लिए हम :
  - प्रसंस्करण और पैकेजिंग इकाइयाँ स्थापित करके स्थानीय **समुदायों के लिए 1,00,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियाँ** पैदा करेंगे।
  - **कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक भंडारण सुविधाओं और कुशल परिवहन नेटवर्क** का विकास करेंगे।
  - पूरे भारत में ग्राहकों को सीधे जामुन उत्पादों को बढ़ावा देने और बेचने के लिए अग्रणी **ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के साथ सहयोग करेंगे।**

- हम एक समर्पित **'रेशम उत्पादन योजना'** शुरू करेंगे जिसके तहत हम:
  - शहतूत की खेती के लिए **₹10,500, शेड के लिए ₹1,20,000** और शहतूत के बागान और रेशमकीट पालन के लिए उपकरणों के लिए **₹52,000 की सब्सिडी प्रदान** करेंगे।
  - शहतूत के रस के लिए छोटे बाजार की स्थापना कर **स्थानीय अर्थव्यवस्था** को बढ़ावा देंगे।

- हम झारखंड से **प्राप्त लोहे के प्रत्येक औंस को उच्च गुणवत्ता वाले ऑटोमोबाइल में बदलने के लिए एक व्यापक पहल शुरू करेंगे,** जिससे राज्य को वाहन निर्माण के लिए भारत के केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।
- हम **ओडीओपी उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने** के लिए विभिन्न पर्यटक हॉटस्पॉट में **'यूनिटी मॉल'** की स्थापना करेंगे।
- हम **एसजीएसटी बकाया की सशर्त छूट** के माध्यम से छोटे व्यवसायों को राहत प्रदान करेंगे।

खनिज के भंडार, खोलेंगे समृद्धि के द्वार

हमारे संकल्प

- हम **जिला खनिज फाउंडेशन (DMF) की गतिविधियों में पारदर्शिता और जवाबदेही** लाने के लिए हर छह महीने में एक अनिवार्य स्वतंत्र ऑडिट कराएंगे और एक **वार्षिक DMF रिपोर्ट कार्ड** प्रकाशित करेंगे।
- हम राज्य में अवैध खनन खासकर **अवैध बालू खनन** पर अंकुश लगाएंगे और बालू घाटों से बालू निकालने का अधिकार पंचायतों को देंगे।
- हम कोडरमा और गिरिडीह में माइका खदानों, सुरदा में तांबे की खदानों और पलामू में डोलोमाइट खदानों सहित **बंद खदानों में खनन कार्यों को फिर से शुरू** करने की संभावनाएं खोजेंगे।
- हम माइका सहित लघु खनिजों के लिए एक **समर्पित कानून और नीतिगत ढांचा** तैयार करेंगे, जिससे जिम्मेदार खनन, प्रसंस्करण और सहज परमिट सिस्टम सुनिश्चित हो और खनन में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता मिल सके।
- खनन कार्यों से प्रभावित सभी निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा के लिए :
  - हम **'खनन सुरक्षा सेहत बीमा योजना' के तहत निःशुल्क और पूर्ण चिकित्सा कवरेज प्रदान करेंगे,** जिसमें खनन से संबंधित सभी बीमारियों जैसे न्यूमोकोनिओसिस, सिलिकोसिस और टीबी की जांच, रोकथाम और उपचार शामिल होगा।
  - **जल प्रदूषण को कम करने के लिए** तालाबों, जल शोधन संयंत्रों और एसिड ड्रेनिज नियंत्रण की स्थापना को अनिवार्य करेंगे।

झारखंड का गौरव, सुरक्षित और संरक्षित धरोहर

हमारे संकल्प

- हम आदिवासी भाषाओं, इतिहास, कला और संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए **₹500 करोड़ खर्च कर 'सिद्धो-कान्हो शोध केंद्र'** स्थापित करेंगे। यह संग्रहालय और अध्ययन केंद्र आदिवासी इतिहास, कला, संस्कृति और जीवनशैली को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए शोध और रचनात्मक प्रकाशनों के माध्यम से काम करेगा।
- हम झारखंड में **प्रमुख धार्मिक स्थलों को विकसित** करने के लिए:
  - **विशेष फंड आवंटित करेंगे** एवं पर्यटक कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए समर्पित सुविधाएं और रास्ते बनाएंगे।
  - राज्य में प्रत्येक **आदिवासी धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल** के विकास के लिए और गांव स्तर पर पर्वों और लोक आयोजनों के लिए **अनुदान सहायता** देंगे।
- हम **झारखंड राज्य के निर्माण** के लिए संघर्ष करने वालों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करेंगे:
  - ₹7,500 मासिक पेंशन
  - निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा और
  - ऐसे आंदोलनकारियों के बच्चों के लिए **शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण** की व्यवस्था करेंगे।
- हम झारखंड के **पारंपरिक नृत्य और संगीत रूपों,** जिनमें झूमर, छऊ, फगुआ और दमकच शामिल हैं, तथा जदूर, नागपुरी, संथाली और मुंडारी में लोकगीतों को बढ़ावा देने और संरक्षित करने हेतु:

हमारे संकल्प

- प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा विकसित करने के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने हेतु **अकादमी एवं अनुसंधान केन्द्र** की स्थापना करेंगे।
- मांदर, ढोल, नगाड़ा और बांसुरी जैसे **पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्रों को रियायती मूल्य** पर उपलब्ध कराएंगे।

हम **आदिवासी और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने** के लिए समर्पित प्रयास करेंगे। इसके लिए हम:

- हो, मुंडारी, कुरुख, कुड़माली, भूमिज और सदरी को संविधान की **8वीं अनुसूची** में शामिल करने का प्रयास करेंगे।
- झारखंड के विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में **भाषा प्रयोगशालाएं** स्थापित करेंगे।
- इन भाषाओं को **विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम** एवं **सरकारी कार्यालयों में कामकाज का माध्यम** बनाएंगे।
- आदिवासी भाषाओं पर **व्याकरण पुस्तक और शब्दकोश** तैयार करने के लिए एक समर्पित अनुसंधान निकाय का गठन करेंगे।

हम **झारखंडी व्यंजनों** को बढ़ावा देने के लिए आतिथ्य क्षेत्र के साथ साझेदारी करेंगे, खाद्य आउटलेट खोलने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करेंगे, और SHGs को पारंपरिक व्यंजनों का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित करेंगे। इसके अतिरिक्त, हम झारखंड के सभी प्रमुख शहरों में समय-समय पर **खाद्य महोत्सव** का आयोजन करेंगे ताकि इन पाक परंपराओं को और लोकप्रिय बनाया जा सके।

हम विपणन और नवाचार पर विशेष जोर देने के साथ कारीगरों और बुनकरों के डिजाइन और कौशल विकास के लिए एनआईडी और निफ्ट के साथ साझेदारी करके **'झारखंड हस्तशिल्प प्रोत्साहन नीति'** के माध्यम से कारीगरों और बुनकरों का उत्थान करेंगे।

हम **डोकरा कला** को बढ़ावा देने के लिए एवं **डोकरा कारीगरों को प्रोत्साहन** देने के लिए आवश्यक सामग्री पर सब्सिडी प्रदान करेंगे और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में पहुँच बढ़ाएंगे।

हम लोक नृतकों, संगीतकारों और पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र निर्माताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए **₹50 करोड़ के 'लोक कलाकार कल्याण कोष'** का गठन करेंगे।

हम राज्य के सभी वृद्धों, दिव्यांगों और विधवाओं के लिए अयोध्या, वाराणसी, गया और पुरी जैसे तीर्थ स्थलों की संख्या बढ़ाकर **'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना'** का दायरा बढ़ाएंगे।

हम **भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती** एवं **सरदार पटेल की 100वीं जयंती** को भव्यता एवं गौरव के साथ मनाएंगे।

पर्यटन बढ़ाएंगे, खुशहाली लाएंगे

हमारे संकल्प

- हम झारखंड को भारत के **शीर्ष पांच पर्यटन अनुकूल राज्य** बनाएंगे जहां पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक होगी, जिससे पर्यटन अर्थव्यवस्था के विकास में मदद मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।
- हम प्रमुख देवी मंदिरों को जोड़ते हुए **भगवती सर्किट** स्थापित करेंगे। इसका उद्देश्य झारखंड में धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देना है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।
- हम **आदिवासी गौरव और नायकों का सम्मान** सुनिश्चित करने के लिए उनसे जुड़े गांवों का विकास, स्मारकों, सूचना केन्द्र और अनुभवात्मक प्रदर्शनों की स्थापना करेंगे। इससे हम आदिवासी संस्कृति का संरक्षण भी आश्वस्त करेंगे। हम विशेष रूप से इन स्थानों में शहीद स्मारक स्थल बनाएंगे :
  - स्टेचू ऑफ़ यूनिटी की तर्ज पर जमशेदपुर की डिमना झील पर भगवान बिरसा मुंडा
  - दुमका में सिद्धो-कान्हो
  - पलामू में नीलांबर-पीतांबर
  - लोहरदगा में बुधु भगत
  - जगन्नाथपुर में पोटो हो
  - गुमला में तेलंगा खड़िया
- हम झारखंड को **इको-टूरिज्म की राजधानी** बनाएंगे और राज्य की पर्यटन क्षमता का विस्तार करेंगे, जिसके अंतर्गत :
  - हम देवघर में होमस्टे का विस्तार करेंगे एवं **बटरफ्लाई पार्क** जैसे प्राकृतिक आकर्षण विकसित करेंगे।
  - हम **बेतला राष्ट्रीय उद्यान में वाइल्डलाइफ**

हमारे संकल्प

सफारी शुरू कर उसे इको-टूरिज्म गंतव्य में विकसित करेंगे।

- हम राज्य भर के **झरनों जैसे जोन्हा, लोध, हुंडरू, दशम** इत्यादि के समीप में ड्रेसिंग रूम, खान-पान गृह और इको होमस्टे का निर्माण करेंगे।

- हम **गढ का गौरव** पहल के तहत पलामू में ऐतिहासिक राजा मेदिनी राय किला, गुमला में नवरतनगढ़ किला, और अन्य उपेक्षित किलों का जीर्णोद्धार करेंगे। इस प्रयास का उद्देश्य उनके समृद्ध धरोहर को सम्मानित करना और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना है।

- हम **साहिबगंज के गंगा नदी के किनारे** को भव्य गंगा आरती समारोहों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक जीवंत केंद्र में बदलेंगे एवं **83 किमी** लम्बे गंगा नदी के किनारे को विकसित करेंगे।

- हम **'बाबा वैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ तीर्थक्षेत्र विकास योजना'** शुरू करेंगे, जिसके अन्तर्गत :
  - बाबा वैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ मंदिरों को जोड़ते हुए एक **सर्किट** बनाएंगे।
  - इन मंदिरों में सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा और **उन्नत कतार प्रबंधन प्रणाली** लागू की जाएगी, जिससे तीर्थयात्रियों का अनुभव बेहतर होगा।
  - **श्रावणी मेले** के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को मान्यता प्रदान कर बढ़ावा देंगे।

- हम **नेतरहाट** के साफ़ एवं सुन्दर आकाश और प्राकृतिक सौंदर्य का लाभ उठाने के लिए वहां एक **तारामंडल (स्टार गेजिंग) इकाई** स्थापित करेंगे।

- हम सामाजिक नायकों का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित **महापुरुषों के स्मारकों** का विकास करेंगे:
  - बिनोद बिहारी महतो
  - निषाद राज
  - बख्तर साय
  - भजन राम बड़ाइक

हरे-भरे होंगे वन, सुरक्षित जीवन

हमारे संकल्प

- हम राज्य के वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए **'हरित झारखंड मिशन'** नामक एक वनीकरण अभियान शुरू करेंगे, जिसके तहत :
  - हम झारखंड के **घटते वन क्षेत्र को पुनर्स्थापित** करेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर साल लगाए गए पेड़ों की संख्या कटे हुए पेड़ों की संख्या से अधिक हो।
  - हम एक समर्पित **आधुनिक तकनीक से युक्त टास्क फोर्स** का गठन करेंगे और पलामू टाइगर रिजर्व और दलमा वन्यजीव अभयारण्य जैसे संरक्षित क्षेत्रों की निगरानी के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करेंगे।
- हम झारखंड की प्रदूषित नदियों, जैसे दामोदर, स्वर्णरेखा, हरमु को स्वच्छ और सुरक्षित जल प्रदान करने के उद्देश्य से **'निर्मल धारा मिशन'** शुरू करेंगे।
- हम **'हाथी मित्र सुरक्षा'** पहल की शुरुआत करेंगे, जिसके अंतर्गत हाथियों के हमले में मृत्यु होने पर प्रभावित परिवारों को 7 दिनों के भीतर ₹7.5 लाख की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घरों में हुए नुकसान के लिए ₹20 लाख का शून्य-प्रीमियम बीमा उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्रभावित परिवारों को त्वरित और व्यापक सहायता मिल सके।
- हम **'प्रोजेक्ट एले-फेंस'** की शुरुआत करेंगे, जिसमें मधुमक्खी बाड़ और खाई निर्माण जैसी नवीन रणनीतियों का कार्यान्वयन किया जाएगा। हाथियों और स्थानीय समुदायों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व बनाने के लिए भोजन और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
- हम **1,00,000** आदिवासी और स्थानीय समुदायों के युवा स्वयंसेवकों से बनी एक **'जंगल सुरक्षा दल'** बनाएंगे।

समाज का उत्थान, सशक्त झारखंड का निर्माण

हमारे संकल्प

संथाल परगना प्रमंडल का संपूर्ण विकास करने के लिए :

- हम देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़, और गोड्डा को जोड़ने वाला एक **'इकनॉमिक कॉरिडर'** बनाएंगे, जिससे क्षेत्रीय और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- हम **दुमका,** झारखंड की वर्तमान **उप-राजधानी** को **क्रियाशील और प्रभावी** बनाएंगे।
- हम साहिबगंज में **गंगा नदी पर पुल** के निर्माण में तेजी लाएंगे।
- हम साहिबगंज में स्थित **मल्टीमोडल पोर्ट** को अपग्रेड करेंगे।

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का संपूर्ण विकास करने के लिए :

- हम आईटी और तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए **हज़ारीबाग़ में एक 'नॉलेज सिटी'** स्थापित करेंगे, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।
- हम लोहे, कोयले, एल्यूमिनियम, माइका और सिलिका पर केंद्रित **छोटे औद्योगिक इकाइयों को सहायता** प्रदान करेंगे।
- हम **बोकारो में हवाई अड्डे** को चालू करेंगे, जिससे झारखंड में व्यवसाय, पर्यटन और कनेक्टिविटी का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।
- हम **सोहराई और कोहवर चित्रकला** पर आधारित एक इकोसिस्टम विकसित करेंगे,

हमारे संकल्प

जो सांस्कृतिक कला रूपों को बढ़ावा देने के लिए कला दीर्घाओं, कार्यक्रमों, भित्ति चित्रों, मूर्तियों, अभिनव प्रतिष्ठानों और संगठित कार्यशालाओं के माध्यम से स्थानीय कलाकारों का समर्थन करेगा।

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल का संपूर्ण विकास करने के लिए :

- हम महुआ, केंदू के पत्ते, लाह , इमली, साल के बीज और चिरौंजी जैसे प्रमुख वन उत्पादों के विपणन और खरीद को बढ़ावा देकर **दक्षिण छोटानागपुर में वन-आधारित समुदायों और लघु वन उपज के संग्रहकर्ताओं** को सशक्त बनाएंगे।
- हम **समर्पित खरीद केंद्र** स्थापित कर वन-आधारित उद्योगों के लिए एक **स्थानीय मूल्य-श्रृंखला** बनाएंगे।
- हम वन उत्पादों के **प्रसंस्करण और पैकेजिंग** के लिए नवीन प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान प्रस्तुत करेंगे, जिससे बेहतर बाजार पहुंच और उच्च आय सुनिश्चित होगी।
- हम **तुपुदाना से कुंडीबारटोली खंड** (खूंटी बाईपास सहित) के **चार लेन के निर्माण** और **बेड़ो से खूंटी खंड के चौड़ीकरण** और उन्नयन में तेजी लाएंगे।

- हम **एचईसी रांची** में केंद्र सरकार के सहयोग से कर्मचारियों के **लंबित वेतन सम्बन्धी मुद्दे** को जल्द हल कराएँगे।

कोल्हान प्रमंडल का संपूर्ण विकास करने के लिए :

- हम तार, केबल और तांबा-आधारित कॉम्पोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग की सुविधा के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करके **सिंहभूम कॉपर बेल्ट का विकास** करेंगे। हम प्रभावित समुदायों के लिए मुआवजे और पुनर्वास उपायों का पूर्ण पालन भी सुनिश्चित करेंगे।
- हम राज्य सरकार की परीक्षाओं में संचालित आदिवासी और क्षेत्रीय भाषाओं की सूची में **भुमिज भाषा को फिर से शामिल** करेंगे।
- हम सरायकेला में छऊ कलाकारों के गांव को बढ़ावा देने के लिए **ब्रज भानु सिंह देव के सम्मान में एक सप्ताह भर चलने वाले महोत्सव का आयोजन करेंगे,** जिसमें छऊ कला की साहित्य, मुद्राएँ, ताल और परिधानों को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही, चैत्र पर्व को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध किया जा सके और पर्यटन को आकर्षित किया जा सके।

पलामू प्रमंडल का संपूर्ण विकास करने के लिए :

- हम बंद पड़े जपला सीमेंट फैक्ट्री के स्थान पर एक **नई औद्योगिक इकाई स्थापित करेंगे,** साथ ही पूर्व कर्मचारियों को बकाया राशि के वितरण से संबंधित विवाद का उचित निपटारा सुनिश्चित करेंगे।
- हम भवनाथपुर में पहले SAIL द्वारा संचालित, अब बंद पड़ी हुई चूना पत्थर खनन भूमि पर एक **पावर प्लांट स्थापित करेंगे।**
- हम पलामू प्रमंडल में **मंडल डैम के निर्माण में तेजी लाएंगे** और विस्थापित समुदाय के लिए उचित मुआवजा और पुनर्वास सुनिश्चित करने हेतु **'मंडल डैम विकास प्राधिकरण'** की स्थापना करेंगे।
- हम फूलों की खेती और बागवानी को बढ़ावा देने के लिए **सुरभि किओस्कस** पुनःस्थापित करेंगे।

भाजपा की उपलब्धियां

सशक्त नारी, पहचान हमारी

- उज्ज्वला योजना के तहत, **38 लाख से अधिक LPG कनेक्शन ₹375.20 करोड़** की लागत से प्रदान किए गए।
- **सुरक्षित मातृत्व अभियान** के तहत, 2022-23 में जुलाई तक **1.47 लाख गर्भवती महिलाओं** ने निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल का लाभ उठाया।
- **पोषण अभियान** के तहत, झारखंड में **31.47 लाख** से अधिक महिलाओं और बच्चों को पका हुआ भोजन, राशन और पोषण संबंधी जांच प्रदान की गई है।
- **पीएम मातृ वंदना योजना** के तहत झारखंड में **7.9 लाख** से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान वित्तीय सहायता मिली है।
- महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ **11,590 गांवों के 14,27,503 परिवारों** को शामिल करते हुए **1,13,969 सखी मंडलों** की स्थापना की गई थी।

युवाओं के अरमान, भरेंगे उड़ान

- **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना** के अंतर्गत, दिसंबर 2023 तक, **3,02,853 उम्मीदवारों का नामांकन** किया गया है, और **2,92,700 को झारखंड में प्रशिक्षित किया गया है।**
- **दीन दयाल उपाध्याय - ग्रामीण कौशल योजना** के तहत, **73,555 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित** किया गया और **39,094 को सफलतापूर्वक नौकरियां मिलीं।**
- भाजपा सरकार में **झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (JSSPS)** की स्थापना की गयी थी।
- पिछली **भाजपा सरकार** के पहले **4 वर्षों में एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी गईं** और **35 लाख से अधिक रोजगार के अवसर** पैदा किए गए।

भाजपा की उपलब्धियां

झारखंड की शक्ति, समृद्ध आदिवासी संस्कृति

- नवंबर 2021 में रांची में **भगवान बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क एवं स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय** का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया था।
- मोदी सरकार ने आदिवासी बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए जनजातीय परिवारों के लिए पूर्ण कवरेज को सुनिश्चित करते हुए **प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान** शुरू करने की घोषणा की है।
- **146 वन धन विकास केन्द्रों** को स्वीकृति दी गई है, जिससे 43,701 जनजातीय समुदाय के लोगों को लाभ हुआ है।
- **प्रधानमंत्री जनजाति विकास मिशन** के अंतर्गत, एमएसपी पर एमएफपी खरीद के लिए ₹46.72 करोड़ आवंटित किए गए हैं।
- अनुसूचित जनजाति छात्रों की सुविधा के लिए झारखंड में **89 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय** स्वीकृत किए गए।
- मोदी सरकार ने जनजातीय उप-योजना के लिए विशेष केंद्रीय सहायता के रूप में **₹760.23 करोड़** प्रदान किए हैं।

जन-जन का विश्वास, पूरी होगी सबकी आस

- **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना** के तहत राज्य में **2.6 करोड़** लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराये जा रहे हैं।
- **जल जीवन मिशन** के तहत **30,51,285 घरों** को नल से पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण** के तहत **15 लाख घरों** का निर्माण किया गया है।
- **राष्ट्रीय सामाजिक सहायता** कार्यक्रम के तहत **12 लाख से अधिक** लोग लाभान्वित हुए हैं।
- **स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)** के तहत, राज्य के **87.27% गांवों** ने **झारखंड में ओडीएफ प्लस** का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसमें **41,83,083 घरों** को शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं।

भाजपा की उपलब्धियां

समृद्ध किसान, हमारी पहचान

- **प्रधानमंत्री किसान योजना** के अंतर्गत 2020-21 में झारखंड के 23.82 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिला। फरवरी 2024 तक इस योजना के माध्यम से राज्य के किसानों को **कुल ₹5,236.73 करोड़** प्रदान किया।
- झारखंड के **धनबाद जिले में सिंदरी उर्वरक संयंत्र का उद्घाटन** किया गया, जिससे उर्वरक उत्पादन में वृद्धि हुई और क्षेत्र के कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन मिला।
- झारखंड में 9.68 लाख से अधिक **किसान क्रेडिट कार्ड खाते** सक्रिय हैं, जो किसानों को समय पर वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।
- भाजपा सरकार के दौरान प्रदेश की कृषि विकास दर **माइनस 4.5 प्रतिशत से सुधरकर 14.29 प्रतिशत** हो गई थी।

भाजपा का प्रण, सेवा और सुशासन

- भाजपा सरकार की **डाकिया योजना** से झारखंड के **आदिम जनजातीय समूहों के लगभग 70,000 परिवारों** को उनके दरवाजे पर खाद्यान्न प्राप्त करने में मदद मिली।
- भाजपा सरकार ने **60 हजार से अधिक वन पट्टे** वितरित कर प्रदेश के आदिवासी समुदायों को न्याय सुनिश्चित किया।
- भाजपा सरकार ने आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए, 2018 में **आदिवासी उप-योजना बजट को ₹11,997 करोड़ से बढ़ाकर ₹20,764.96 करोड़** किया।

भाजपा की उपलब्धियां

श्रम का सम्मान, झारखंड का उत्थान

- **प्रधानमंत्री-स्वनिधि** के तहत **82,602 लाभार्थियों** के लिए **₹132.66 करोड़** मंजूर किए गए हैं।
- **प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन** के तहत **1,37,021 श्रमिकों** ने **पेंशन लाभ** लेने के लिए पंजीकरण कराया है।
- श्रम कानूनों के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए **94,83,382 असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों** को **ई-श्रम पोर्टल** में नामांकित किया गया है।
- **प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना** के तहत अब तक **9,000** से अधिक **लाभार्थियों को प्रशिक्षण** और **₹2 लाख के ऋण** का लाभ प्राप्त हुआ है।
- मोदी सरकार **सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020** लेकर आई है **जो गिग वर्कर्स** और **अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों** को **बीमा** और **पेंशन** सहित अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देती है।

स्वास्थ्य और पोषण, झारखंड का उज्ज्वल कल

- **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी** ने **देवघर में ₹1,103 करोड़** की लागत से बने नए एम्स का उद्घाटन किया।
- **आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना** के तहत **559 अस्पतालों** को सूचीबद्ध किया गया है और **1.2 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड** बनाए गए हैं।
- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)** के अन्तर्गत, झारखंड के लिए **₹5,929 करोड़** से अधिक जारी किए गए हैं।
- सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए झारखंड में **130 जन औषधि केंद्र** स्थापित किये गए हैं।
- **प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना** के तहत **तीन नये सरकारी मेडिकल कॉलेज** का निर्माण **दुमका, पलामू** और **हजारीबाग** में किया गया है।
- **पोषण अभियान** के तहत, लगभग **31 लाख** बच्चों, किशोरियों और गर्भवती/स्तनपान कराने वाली महिलाओं को **₹1172.89 करोड़** की लगत से पोषण सहायता प्रदान की गई है।

भाजपा की उपलब्धियां

शिक्षा का अधिकार, विकसित झारखंड का आधार

- 2018 से, मोदी सरकार ने **समग्र शिक्षा कार्यक्रम** के तहत **₹5,000 करोड़** से अधिक जारी किए।
- **राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना** ने **₹162.31 करोड़** के कुल बजट के साथ **1,61,900 छात्र लाभान्वित** हुए हैं।
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने **₹400 करोड़ की लागत से बने IIM रांची** के स्थायी कैंपस का उद्घाटन किया।
- भाजपा सरकार के कार्यकाल में, प्राथमिक स्तर पर **आदिवासी छात्रों** का **सकल नामांकन अनुपात** (GER) **2016-17 में 106.99 से बढ़कर 2018-19 में 110.6** हुआ।
- भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में **12 जिलों में महिला कॉलेज, 13 जिलों में मॉडल कॉलेज, 27 डिग्री कॉलेज और 13 पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थापित** किए।

हमारा प्रयास, समावेशी और चहुंमुखी विकास

- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना** के तहत 2014-15 से झारखण्ड में अब तक ₹8,492 करोड़ की लागत से 19,989 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है।
- मोदी सरकार ने प्रमुख मार्गों-**रांची-पटना, रांची-हावड़ा, रांची-वाराणसी, टाटानगर-पटना, देवघर-वाराणसी, टाटानगर-बरहमपुर, भागलपुर-दुमका-हावड़ा, गया-हावड़ा** और राउरकेला-हावड़ा पर यात्रा बढ़ाने के लिए **9 वंदे भारत ट्रेनें शुरू की हैं।**
- जुलाई 2022 में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने **657 एकड़ में फैले देवघर हवाई अड्डे का उद्घाटन** किया, जिसे ₹400 करोड़ की लागत से बनाया गया है।
- मार्च 2024 में, मोदी सरकार ने **₹2,500 करोड़ से अधिक की लागत से खूंटी में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं** का निर्माण शुरू किया।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने झारखंड के **चतरा में उत्तरी कर्णपुरा सुपर थर्मल पावर परियोजना की 660 मेगावाट (यूनिट-2)** देश को समर्पित किया।

भाजपा की उपलब्धियां

शहरी और ग्रामीण विकास, हर क्षेत्र की समृद्धि

- **प्रधानमंत्री आवास योजना** के तहत 1.46 लाख शहरी क्षेत्रों का निर्माण किया गया है।
- **अमृत योजना** के तहत, ₹1,246 करोड़ की राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसमें केंद्रीय सहायता में ₹566 करोड़ शामिल हैं, जिसमें परियोजना कार्यान्वयन के लिए ₹552 करोड़ जारी किए गए हैं।
- एनडीए सरकार ने **मनरेगा के तहत वर्ष 2016 से 2024-25 तक झारखंड राज्य के लिए ₹18,828 करोड़** की धनराशि जारी की है।
- 2014 और 2024 के बीच **प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जुलाई 2024 तक कुल 15,61,739 ग्रामीण घरों का निर्माण** किया गया है।
- **सौभाग्य योजना के तहत झारखंड में 15,30,708 ग्रामीण घरों को बिजली कनेक्शन प्रदान** कर 100% विद्युतीकरण पूरा हुआ।
- **स्वच्छ भारत मिशन के तहत राज्य में 26,114 गांवों ने खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ)** का दर्जा हासिल किया है।

विकास की डोर, शिखर की ओर

- एमएसएमई और व्यावसायिक उद्यमों की सहायता के लिए **आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत ₹3,453.92 करोड़ की 2,95,408 गारंटी जारी** की गई है।
- भाजपा सरकार के दौरान, निर्यात में जबरदस्त वृद्धि हुई, जो **2015-16 में ₹3,128 करोड़** से बढ़कर 2017-18 में ₹7,198 करोड़ हो गया, तीन वर्षों में **130% की वृद्धि** दर्ज की गई।
- **मोमेंटम झारखंड पहल** के माध्यम से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने सफलतापूर्वक **₹6,669 करोड़** के निवेश को आकर्षित किया और राज्य में 200 परियोजनाओं की आधारशिला रखी।
- **प्रधानमंत्री मुद्रा योजना** के तहत झारखंड में ₹67,232.88 करोड़ की ऋण राशि स्वीकृत की गई है।
- मोदी सरकार ने **झारखंड से गुजरने वाले अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे** को मंजूरी दी है जो राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

भाजपा की उपलब्धियां

खनिज के भंडार, खोलेंगे समृद्धि के द्वार

- 2016 में, मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 में संशोधन कर **इंडियन स्कूल ऑफ माइंस धनबाद** को आईआईटी में अपग्रेड करने की मंजूरी दी।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रति वर्ष **100 मिलियन टन कोयले की निकासी की सुविधा के लिए ₹894 करोड़ के पूंजीगत परिव्यय के एक समर्पित कोयला गलियारे** का उद्घाटन किया।
- पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान के तहत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने **रामगढ़ जिले में ₹894 करोड़ के पूंजीगत परिव्यय के साथ उत्तर उरीमारी कोयला हैंडलिंग प्लांट** का उद्घाटन किया।

झारखंड का गौरव, सुरक्षित और संरक्षित धरोहर

- झारखंड के **हजारीबाग की सोहराई और खोवर पेंटिंग को भौगोलिक संकेत (GI)** टैग दिया गया।
- राज्य में कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भाजपा सरकार ने **तीन सांस्कृतिक संस्थानों की स्थापना की:** होटवार में झारखंड कला मंदिर, सरायकेला में राजकीय छऊ नृत्य कला केंद्र, और रांची में छऊ नृत्य कला केंद्र।

भाजपा की उपलब्धियां

पर्यटन बढ़ाएंगे, खुशहाली लाएंगे

- **देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम को ₹39.13 करोड़** की लागत से प्रसाद योजना के तहत विकसित किया जा रहा है।
- **रामगढ़ में रजरप्पा शक्ति पीठ** के दर्शन करने वाले भक्तों की सेवा के लिए सुविधाओं में सुधार लाने के लिए ₹1.83 करोड़ की लागत से **रामगढ़ स्टेशन का अपग्रेड पूरा** हो गया है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने **वाराणसी से बैद्यनाथ धाम देवघर को जोड़ने वाली नई वंदे भारत ट्रेन** का शुभारंभ किया है, जो भक्तों के लिए तेजी से यात्रा की सुविधा प्रदान करती है और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देती है।

हरे-भरे होंगे वन, सुरक्षित जीवन

- भारत राज्य वन रिपोर्ट (ISFR) रिपोर्ट 2021 के अनुसार, **झारखंड में वन क्षेत्र में 2019 की तुलना में 0.47% की वृद्धि** हुई है।
- **नगर वन योजना** के तहत झारखंड के 6 शहरों को ₹538 लाख के कोष से विकसित किया जा रहा है।
- **नमामि गंगे कार्यक्रम** के तहत झारखंड के रामगढ़ शहर में ₹284.80 करोड़ की लागत से सीवरेज प्रबंधन की एक परियोजना को भी मंजूरी दी गई है।

भाजपा की उपलब्धियां

समाज का उत्थान, सशक्त झारखंड का निर्माण

- 2024 में, कोयला मंत्रालय ने जामताड़ा में **भारत की पहली भूमिगत कोयला गैसीकरण परियोजना** शुरू की।
- मार्च 2024 में, तत्कालीन केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने पदमपुर, खरसावां, **झारखंड में ₹10 करोड़ की लगत से बनने वाली 'जनजातीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण और संवर्धन केंद्र'** की आधारशिला रखी।
- मोदी सरकार ने **मिशन आयुष** के तहत, रांची और पूर्वी सिंहभूम में 50 बिस्तरों वाले आयुष धन्वंतरि अस्पतालों की स्थापना के लिए ₹185.38 करोड़ आवंटित किए।
- फरवरी 2023 में, **जमशेदपुर हवाई अड्डे** को एक दशक तक बंद रहने के बाद **उड़ान योजना** के तहत फिर से शुरू किया गया।
- **रांची-कोडरमा रेलवे लाइन—बरकाकाना से संकी रेलवे खंड**—का निर्माण दिसंबर 2022 में पूरा हुआ, और ट्रेन सेवा शुरू हो गई है।

रोटी बेटी माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा सरकार

झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप

नारी वंचित, झामुमो समृद्ध

- झामुमो सरकार के कार्यकाल में **नाबालिग लड़कियों की तस्करी और महिलाओं के अपहरण** से जुड़े मामलों में **झारखंड भारत में दूसरे स्थान पर है।**
- **बलात्कार की घटनाओं के मामले में** झारखंड देश में आठवें स्थान पर है। अकेले साल 2021 में 1,425 रेप के मामले दर्ज हुए, जहाँ **औसतन हर 6 घंटे में एक बलात्कार की घटना हुई।**
- झामुमो सरकार का पूरा कार्यकाल घोटालों से भरा हुआ है, **पुरुषों को गलत तरीके से विधवा पेंशन का भुगतान किया गया।**

युवा बेहाल, झामुमो की सौगात

- **₹5,000 से ₹7,000 तक बेरोजगारी भत्ता देने का वादा** करने के बाद, झामुमो सरकार इस वादे को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रही है।
- 2 वर्षों में 5 लाख सरकारी नौकरियाँ देने के बड़े-बड़े वादों के बावजूद, **झामुमो सरकार 4.5 वर्षों में केवल 11,000 नौकरियाँ** ही दे पाई है।
- झामुमो सरकार के कार्यकाल में **झारखंड में 1,697 बेरोजगार युवाओं ने आत्महत्या** की, जो राज्य में बढ़ते बेरोजगारी और हताशा के संकट को उजागर करता है।
- झामुमो सरकार रोजगार के अवसर प्रदान करने में विफल रही है, जिसके परिणामस्वरूप **झारखंड के युवा जीवनयापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं और मजबूरन कई साइबर अपराध की ओर बढ़ रहे** हैं।
- निष्पक्ष भर्ती परीक्षा आयोजित कराने के वादे के बावजूद, झामुमो सरकार कई **पेपर लीक और अनियमितताओं को नियंत्रित करने में विफल** रही है।

झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप

आदिवासियों के हक की लूट

- झामुमो सरकार के सत्ता में आने के बाद **आदिवासियों के खिलाफ अपराध के मामले काफी तेजी से बढ़े** हैं, जिसमें **26% से अधिक की वृद्धि** हुई है।
- झामुमो सरकार अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण **पेसा कानून लागू करने में विफल** रही है।
- झामुमो सरकार के शासनकाल में अवैध घुसपैठ के कारण संथाल परगना में **अनुसूचित जनजाति समुदाय की आबादी का अनुपात 44% से घटकर 28%** हो गया है।
- **वन अधिकार अधिनियम (एफआरए)** 2006 को लागू करने में झारखंड अन्य आदिवासी राज्यों से बहुत पीछे है।

जनता त्रस्त, झामुमो मस्त

- झामुमो सरकार का दावा है कि उन्होंने 2022 और 2023 में **रामगढ़ के लिए ₹562.81 करोड़** और **रांची की शहरी जलापूर्ति योजनाओं के लिए ₹103.74 करोड़** स्वीकृत किए। फिर भी, वे इन क्षेत्रों में गंभीर जल समस्या को हल करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं।
- झामुमो सरकार **दिव्यांग प्रमाणपत्र** प्रदान करने में **विफल** रही, जिससे दिव्यांगों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।
- झामुमो सरकार ने केन्द्र सरकार की **पीएम-आवास और जल जीवन मिशन जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को बाधित कर रखा है।**

किसान बेहाल, झामुमो मालामाल

- झारखंड के **24 में से 17 जिले सूखे से प्रभावित हैं** और राज्य की सिंचाई सुविधा खस्ताहाल है।
- झामुमो सरकार के शासन में राज्य की **201 मंडियों में से केवल 19 को ही अपग्रेड** किया गया है और eNam से जोड़ा गया है।
- झामुमो सरकार के शासनकाल में, अपर्याप्त विकास और सिंचाई बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण झारखंड ने अपनी **सिंचाई क्षमता का केवल 12%** ही उपयोग किया है।

झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप

झारखंड में अपराधियों का राज!

- झामुमो सरकार के शासनकाल में, 2022 में **हत्या की दर के मामले में झारखंड देश में शीर्ष स्थान पर था।**
- झामुमो सरकार झारखंड के **सामाजिक समरसता को ख़राब** कर रही है, जिससे संथाल परगना के रास्ते **अवैध अप्रवासियों को घुसपैठ करने की खुली छूट दे रखी** है।
- झामुमो सरकार में **सरकारी खातों से राशि का गबन और घोटाले** आम बात हो गयी है।

श्रमिकों के हक हुए खत्म

- झामुमो सरकार पारा शिक्षकों और सहायक पुलिस सहित सरकारी कर्मचारियों की **सेवाओं को नियमित करने में विफल** रही है और उन्हें निराशा में छोड़ दिया है।
- झामुमो सरकार **अंतर जिला स्थानांतरण और सुनिश्चित कैरियर प्रगति** के मुद्दों को हल करने में विफल रही है, जिससे शिक्षकों को सड़कों पर विरोध करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।
- झामुमो सरकार ने **आंगनवाड़ी, आशा कर्मियों** और **नगरपालिका कर्मियों** के लिए मानदेय, पेंशन लाभ और बीमा कवरेज में वृद्धि के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।

स्वास्थ्य संकट मे

- झारखंड में **प्रति लाख आबादी पर केवल एक डॉक्टर है** और 85% विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद खाली हैं।
- झारखंड में स्वास्थ्य क्षेत्र खस्ताहाल है और झारखंड के **24 जिलों में से 17 जिलों में 52% नर्सों की कमी** है।
- झामुमो सरकार के शासनकाल में, **छह महीने से कम उम्र के 32% शिशु दीर्घकालिक कुपोषण** से पीड़ित हैं।
- झामुमो सरकार के शासन में **3,130 से अधिक स्वास्थ्य उप-केंद्र, 769 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 87 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निष्क्रिय हैं।**

झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप

बच्चे लाचार, भविष्य अंधकार

- 2023 में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा जारी **परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में झारखंड नीचे से दूसरे स्थान** पर था।
- झामुमो सरकार के शासनकाल में स्कूल जाने वाले 4.70 लाख बच्चों को बुनियादी जरूरतें नहीं मिल पा रही हैं और वे **बिना किताबों के स्कूल जाने को मजबूर हैं।**
- झामुमो शासनकाल में सरकारी स्कूलों के करीब **10 लाख बच्चों को स्कूल यूनिफार्म नहीं मिल पायी** है।
- झामुमो सरकार के कुशासन के कारण वर्तमान में झारखंड के विश्वविद्यालयों में **शिक्षकों के 4,476 स्वीकृत पदों में से 68 प्रतिशत से अधिक पद खाली** पड़े हैं।
- झारखंड में माध्यमिक विद्यालयों के लिए **सकल नामांकन अनुपात (GER) देश में तीसरा सबसे कम है,** और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए सकल नामांकन अनुपात देश में दूसरा सबसे कम है।

विकास की राह रोकी, इंफ्रास्ट्रक्चर पर अनदेखी

- झामुमो सरकार अपने 5 वर्षों के शासन में **न तो एक भी एक्सप्रेसवे का निर्माण करा पायी, न ही कोई विश्वविद्यालय स्थापित करा पायी, और न ही आईटी पार्क जैसी किसी परियोजना की शुरुआत करा पायी।**
- झामुमो सरकार ने **बूढ़ा पहाड़ विकास परियोजना और विभिन्न फ्लाईओवर जैसी परियोजनाओं को भी अधूरा** छोड़ दिया है।
- झामुमो सरकार के शासन में, राजधानी रांची **खराब पुल निर्माण, अपर्याप्त सीवरेज व्यवस्था और गिरते स्वास्थ्य सेवा** बुनियादी ढांचे की वजह से बदहाल है।

झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप

बर्बाद विकास, शहर और गांव का हो रहा है विनाश

- झामुमो ने **₹25,000 करोड़ की लागत से पलामू, चाईबासा, गढ़वा, गिरिडीह, दुमका, साहेबगंज और देवघर को विश्व स्तरीय शहरों** में विकसित करने का वादा किया था, लेकिन इस दिशा में अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया।
- मोदी सरकार ने रांची की स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए ₹400 करोड़ की मंजूरी दी, लेकिन झामुमो सरकार ने केंद्रीय सहायता मिलने के बावजूद इस **परियोजना को ठप कर दिया है।**
- झामुमो सरकार के तहत **ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने में एंबुलेंस की लगातार देरी** हो रही है।
- **₹9 करोड़ की कुडू ग्रामीण जल आपूर्ति योजना एक साल से रुकी हुई है,** जो ग्रामीण समुदायों को समय पर सेवाएं प्रदान करने में झामुमो सरकार की विफलता को दर्शाती है।

अर्थव्यवस्था का पतन, उद्योग की विनाश!

- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स (Ease of Doing Business Index) में झारखंड 2018 में भाजपा सरकार के दौरान **पांचवें स्थान से फिसलकर वर्तमान काल में इस इंडेक्स की अंतिम श्रेणी** में आ गया है, जो कहीं न कहीं 14-20 के बीच है।
- झामुमो सरकार की निर्यात नीति तैयार करने में विफलता के कारण, झारखंड निर्यात तैयारी सूचकांक, **2023 में 20वें स्थान पर रहा।**
- झामुमो के शासन में **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर केवल 3%** थी, जो भाजपा के शासन के दौरान 6% की वृद्धि दर का आधा है।
- उद्योगों के लिए बजटीय आवंटन **भाजपा सरकार के दौरान 2018-19 में ₹468.06 करोड़ से घटकर 2022-23 में ₹339.25 करोड़** रह गया है।
- झामुमो सरकार झारखंड में उद्योग और व्यवसाय के लिए एक **सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में विफल रही है।**

झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप

खदानें खाली, संसाधन बर्बाद

- झामुमो सरकार के कार्यकाल में झारखंड राज्य में **अवैध रेत खनन** बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।
- झामुमो सरकार के तहत, **राज्य भर में डी. एम. एफ. निधियों में कई अनियमितताएं और फर्जीवाड़ा** किया गया हैं।
- **अनियंत्रित खनन** के कारण **विस्थापन और बड़े पैमाने पर वनों की कटाई** जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।
- जून 2023 में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा **₹250 करोड़ के अवैध खनन घोटाले** का खुलासा झामुमो सरकार में हो रहे गहरे भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग को उजागर करता है।

संस्कृति पर संकट, अस्मिता खतरे में

- **हजारीबाग में रामनवमी जुलूस सहित सांस्कृतिक आयोजनों में झामुमो सरकार का दखल** राज्य की सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति उनकी उपेक्षा को उजागर करता है।
- झामुमो सरकार राज्य में **अवैध घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण दे झारखंड के सांस्कृतिक ताने-बाने के साथ खिलवाड़** कर रही है।

खत्म हुआ पर्यटन, बेहाल हुए पर्यटक स्थल

- **2022 में केवल 3.82 करोड़ घरेलू पर्यटकों के आगमन के साथ,** झारखंड देश भर में सबसे कम पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक था।
- झामुमो सरकार के कार्यकाल में आए दिन हो रहे **गंभीर अपराधों और पर्यटकों पर हमलों के चलते पर्यटक सुरक्षा** एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है।
- झामुमो सरकार ने **लोकप्रिय पर्यटन स्थलों तक पहुंच में सुधार** के लिए अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं किया है।

झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर आरोप

बर्बाद हुए वन, उजड़ता पर्यावरण

- झामुमो सरकार के शासन में **झारखंड ने तेजी से मरुस्थलीकरण का सामना** किया है और देश में सबसे बड़े मरुस्थलीकृत क्षेत्रों में से एक है।
- झामुमो सरकार के तहत प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है और **झारखंड भारत का 8वां सबसे प्रदूषित राज्य** बन गया है।
- राज्य में **मानव-पशु संघर्ष** की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जहाँ 2021-22 से **एक वर्ष की अवधि में 133 लोगों की मौत** हुई है।
- **झारखंड में 68.98% क्षेत्र भूमि क्षरण से प्रभावित है,** फिर भी झामुमो सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बेहद कम कदम उठाए हैं, जिससे स्थानीय वन विभागों को सीमित संसाधनों के साथ इस संकट का सामना करने के लिए छोड़ दिया गया है।

क्षेत्रीय विकास का विनाश, अब बदलाव की है बात

- झामुमो सरकार के **असफल जल आपूर्ति और सिंचाई नीतियों** के कारण पूरे झारखंड खासकर पलामू और संथाल परगना प्रममंडल **पेयजल की अनुपलब्धता और सूखे से जूझ रहे हैं।**
- झामुमो सरकार द्वारा अधूरे मन से किए गए विकास कार्यों के कारण भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थान के निवासियों को **सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं।**
- राज्य सरकार द्वारा ₹2,800 करोड़ से अधिक खर्च करने के बावजूद **125 सड़क निर्माण परियोजनाएं अधूरी हैं।**

नोट्स

भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश

हरमू हाउसिंग कॉलोनी, रांची, झारखंड